वर्ष-10, अंक 88 पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज सोमवार 10 जून, 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियों का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियों का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस तमिलनाडु में अपने दम पर लड़ती तो जमानत नहीं बचती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चेन्नई। भाजपा नेता तमिलसाई सौंदरराजन ने शनिवार को कहा कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अगर तमिलनाडु में अपने दम पर लड़ती तो वह राज्य में किसी भी क्षेत्र में अपनी जमानत नहीं बचा पाती। तमिलिसाई ने तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थागई की टिप्पणी पर सवाल का जवाब देते हुए

यह बात कही। भाजपा नेता तमिलसाई सौंदरराजन ने शनिवार को कहा कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अगर तमिलनाडु में अपने दम पर लड़ती तो वह राज्य में किसी भी क्षेत्र में अपनी जमानत नहीं बचा पाती। तमिलिसाई ने तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थागई की टिप्पणी पर सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। सेल्वापेरुन्थागई ने कहा था कि राज्य में भाजपा को मिले वोट पीएमके के वोट हैं। हवाईअड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए सौंदरराजन ने कहा, सेल्वापेरुन्थागई का कहना है कि भाजपा को मिले वोट पीएमके के वोट थे तो क्या राज्य में कांग्रेस को मिले वोट द्रमुक के वोट थे। क्या मुख्यमंत्री एमके स्टालिन इससे इनकार करेंगे तमिलिसाई ने कहा, आप (कांग्रेस) अपने दम पर लड़ सकते थे! लेकिन अगर कांग्रेस तमिलनाडु में अपने दम पर चुनाव लड़ती तो राज्य के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में जमानत नहीं बचा पाती। सेल्वापेरुन्थागई को भाजपा की आलोचना का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि कांग्रेस द्रमुक पर निर्भर है। द्रमुक और उस गठबंधन के अन्य दलों के कारण कांग्रेस को जीत मिली, वहीं भाजपा तमिलनाडु में मजबूत है। भाजपा में अकेले चुनाव लड़ने का साहस है।

महाराष्ट्र, तटीय कर्नाटक में भारी बारिश की संभावना, क्या उत्तर पश्चिम भारत को लू से मिलेगी निजात मौसम विभाग ने बताया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मौसम विभाग ने कहा है कि महाराष्ट्र, तटीय और उत्तरी कर्नाटक में अगले पांच दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की रह सकती है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले पांच दिनों में पूर्वी और पूर्वी-मध्य भारत, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी लू की स्थिति जारी रह सकती

संभावना है, वहीं नौ जून से उत्तर पश्चिम भारत में फिर लू चलने से भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने कहा कि महाराष्ट्र, तटीय और उत्तरी कर्नाटक में अगले पांच दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है वहीं नौ जून से उत्तर पश्चिम भारत में फिर लू चलने से भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं अगले पांच दिनों में पूर्वी और पूर्वी-मध्य भारत उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी लू की स्थिति जारी है। मौसम बुलेटिन में कहा गया है कि मानसून शनिवार को मध्य अरब सागर, दक्षिणी महाराष्ट्र, तेलंगाना के कुछ और हिस्सों और दक्षिण छत्तीसगढ़, दक्षिणी ओडिशा और तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ा। मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि अगले दो-तीन दिनों में मध्य अरब सागर के शेष हिस्सों, मुंबई सहित महाराष्ट्र के कुछ और हिस्सों और तेलंगाना में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, कर्नाटक, केरल और लक्षद्वीप में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है, जबकि अगले पांच दिनों में तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, तेलंगाना, तमिलनाडु और पुडुचेरी में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अगले सात दिनों में अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और उप-हिमालयी बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। 8-12 जून तक उप-हिमालयी बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इस बीच समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार मौसम विभाग ने केरल के पांच जिलों- पथनमथिट्टा, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। राज्य के आठ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें तिरुअनंतपुरम, कोल्लम, अलाप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्नाकुलम, त्रिशूर और मलप्पुरम शामिल हैं। ऑरेंज अलर्ट का मतलब 11 सेमी से 20 सेमी की बहुत भारी बारिश है, और यलो अलर्ट का मतलब छह सेमी और 11 सेमी के बीच भारी बारिश है।

नैनीताल पहुंचे 20 हजार से अधिक सैलानी यातायात के सभी इंतजाम हुए ध्वस्त मनाली में पर्यटकों को नहीं मिल रहे कमरे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उत्तराखंड और हिमाचल में ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन का चरम और शनिवार को वीकेंड पर बार फिर यातायात व्यवस्था चरमरा गई। उत्तराखंड के नैनीताल व कैंची धाम में उमड़ी पर्यटकों की संख्या के आगे सारे इंतजाम ध्वस्त हो

पर्यटक वाहनों के दबाव से एक बार फिर यातायात व्यवस्था चरमरा गई। उत्तराखंड के नैनीताल व कैंची धाम में उमड़ी पर्यटकों की संख्या के आगे सारे इंतजाम ध्वस्त हो गए। सड़कों पर वाहनों का रेला रहा। उत्तराखंड और हिमाचल में ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन का चरम और शनिवार को वीकेंड पर पर्यटक वाहनों के दबाव से एक गए। सड़कों पर वाहनों का रेला रहा। जाम की वजह से गाड़ियां रेंगकर चलती रही। पर्यटकों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। जाम की वजह से गाड़ियां रेंगकर चलती रही। हालांकि नैनीताल में एंट्री प्वाइंट पर ही वाहनों को रोक दिया गया था, मगर जाम का झाम बरकरार रहा। कैंची के लिए शटल सेवा तो चली, फिर भी गाड़ियों के दबाव से अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाईवे हांफ गया। दिनभर में करीब 20 हजार से अधिक सैलानी नैनीताल पहुंचे। वहीं, हिमाचल में चुनाव खत्म होते ही पर्यटन कारोबार को पंख लग गए हैं। अधिकतर पर्यटक स्थलों पर होटलों में आक्यूपेंसी 100 प्रतिशत है। मनाली में पर्यटकों को शहर के आसपास कमरे नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में शनिवार को बिना बुकिंग के आए पर्यटकों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। नैनीताल में पुलिस ने सुबह से विशेष यातायात प्लान लागू कर दिया था। भवाली से आने वाले वाहनों के लिए मस्जिद तिराहा, हल्द्वानी से आने वाले वाहनों के लिए रूसी व कालाढूंगी से आने वाले वाहनों को नारायण नगर में रोका गया। जहां से पार्किंग वाले होटलों में एडवांस बुकिंग कराकर आ रहे पर्यटक वाहनों को ही एंट्री दी गई। शेष पर्यटकों को शटल सेवा से शहर तक भेजा गया। इसके बावजूद एंट्री प्वाइंट में जाम की स्थित बन गई।

चुनाव के नतीजे मोदी की राजनीतिक और नैतिक हार, सोनिया बोलीं- सांसद नई सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए रहें तैयार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को लोकसभा चुनाव के नतीजों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

की 'राजनीतिक और नैतिक हार' करार दिया। कहा कि मोदी ने नेतृत्व का नैतिक अधिकार खो दिया है। संविधान सदन (पुरानी संसद) के केंद्रीय कक्ष में नवनिर्वाचित सांसदों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विफलता की जिम्मेदारी लेने के बजाय प्रधानमंत्री रविवार को फिर से शपथ लेने की इच्छा रखते हैं। सोनिया गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी और उसके सहयोगियों के नाम पर नहीं, बल्कि केवल अपने नाम पर जनादेश मांगा था। लेकिन उन्हें राजनीतिक और नैतिक हार का सामना करना पड़ा है। वास्तव में उन्होंने जो जनादेश मांगा था, वह खो दिया है। इस तरह उन्होंने नेतृत्व का अधिकार भी खो दिया है। फिर भी विफलता की जिम्मेदारी लेने के बजाय वह फिर से शपथ लेने की इच्छा रखते हैं। हम उनसे यह उम्मीद नहीं करते कि वह अपने शासन की शैली को बदल देंगे, न ही (वह) लोगों की इच्छा का संज्ञान लेंगे। सोनिया ने कहा, इसलिए कांग्रेस संसदीय दल के सदस्यों के रूप में हमारा यह विशेष दायित्व है कि हम उन्हें और उनकी नई सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए सतर्क, सजग और सक्रिय रहें। कांग्रेस नेता ने कहा कि अब सत्ताधारी प्रतिष्ठान को संसद को बाधित करने, सदस्यों के साथ मनमाने ढंग से दु?र्व्यवहार करने या उचित विचार-विमर्श और बहस के बिना कानून पारित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सोनिया गांधी ने कहा, संसदीय समितियों को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और न ही किया जाना चाहिए, जैसा कि 2014 से किया जा रहा है। अब संसद को और दबाया नहीं जाएगा, जैसा कि पिछले 10 वर्षों में किया गया है। आने वाले समय को चुनौतीपूर्ण बताते हुए उन्होंने कांग्रेस सांसदों से कहा कि उन्हें सत्ताधारी दल द्वारा ध्रुवीकरण को बढ़ाने और हमारे संविधान में निहित धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षरण के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए सतर्क रहना होगा। ऐसे सभी प्रयासों को विफल किया जाना चाहिए।

केरल में भाजपा की जीत पर कांग्रेस में मचा बवाल, त्रिशूर में पार्टी कार्यालय में हुई मारपीट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
त्रिशूर। केरल के त्रिशूर में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। पार्टी नेता के मुरलीधरन की हार के मुद्दे पर बढ़े विवाद के कारण त्रिशूर जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) कार्यालय और 19 अन्य सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर डीसीसी सचिव सजीवन कुरियाचिरा की शिकायत पर दर्ज की गई है। कुरियाचिरा ने शिकायत में कहा है कि उन्हें वल्लूर और उनके समर्थकों ने शुक्रवार को

में मारपीट की नौबत आ गई। केरल के त्रिशूर में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। पार्टी नेता के मुरलीधरन की हार के मुद्दे पर बढ़े विवाद के कारण त्रिशूर जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) कार्यालय में मारपीट की नौबत आ गई। इस मामले में शनिवार को त्रिशूर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जोस वल्लूर और 19 अन्य सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में शनिवार को त्रिशूर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जोस वल्लूर कार्यालय में पीटा। कुरियाचिरा मुरलीधरन के करीबी माने जाते हैं, जिन्होंने त्रिशूर में पार्टी की हार के लिए पूर्व सांसद टीएन प्रतापन और वल्लूर को दोषी ठहराया है। मुरलीधरन की हार से पार्टी की जिला इकाई में विवाद पैदा हो गया। बुधवार को त्रिशूर डीसीसी कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाए गए थे, जिसमें अप्रत्याशित हार के लिए जिला नेतृत्व की आलोचना की गई थी। लोकसभा चुनाव में भाजपा के सुरेश गोपी ने त्रिशूर से 74 हजार से अधिक वोटों से जीत हासिल की है।

रामोजी राव के निधन पर कई सितारों ने जताया शोक चिरंजीवी और एसएस राजामौली ने भी दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
हैदराबाद। मीडिया जगत की जानी मानी हस्ती रामोजी राव के निधन की जानी मानी हस्ती एवं खबरों और मनोरंजन की दुनिया में व्यापक बदलाव लाने वाले रामोजी समूह के अध्यक्ष

पर फिल्म अभिनेता और पद्म विभूषण से सम्मानित चिरंजीवी ने शनिवार को शोक व्यक्त किया। मीडिया जगत रामोजी राव का शनिवार सुबह यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। मीडिया जगत की जानी मानी हस्ती रामोजी राव के निधन पर फिल्म अभिनेता और पद्म विभूषण से सम्मानित चिरंजीवी ने शनिवार को शोक व्यक्त किया। मीडिया जगत की जानी मानी हस्ती एवं खबरों और मनोरंजन की दुनिया में व्यापक बदलाव लाने वाले रामोजी समूह के अध्यक्ष रामोजी राव का शनिवार सुबह यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। रामोजी राव के निधन पर चिरंजीवी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। रामोजी राव का आज सुबह हैदराबाद के स्टार अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। इस मौके पर चिरंजीवी ने कहा, ठमुझे पूरा विश्वास है कि उनके उत्तराधिकारी उनके सपने को आगे ले जाएंगे और उसे पूरा करेंगे। सभी ने उनमें एक महान व्यक्ति देखा होगा, लेकिन मैंने उनमें एक छोटा बच्चा देखा है। उन्होंने कहा, 2009 में मै उनसे अक्सर मिलता था और प्रजा राज्यम पार्टी के लिए उनकी सलाह लेता था... वे अपने विचारों को अलग-अलग रंगों की स्याही से डायरी में लिखते थे। वे हमेशा सोचते थे कि समाज के लिए आगे क्या करना है... यह न केवल उनके परिवार के लिए एक बड़ी क्षति है, बल्कि तेलुगु लोगों ने एक महान व्यक्ति और महान शक्ति खो दी है। वे जहां भी होंगे, हमारे साथ रहेंगे। मै प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले। मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। रामोजी राव के निधन पर रजनीकांत, चिरंजीवी, अल्लू अर्जुन, राम चरण और जूनियर एनटीआर समेत सिनेमा जगत की कई हस्तियों ने शनिवार को शोक व्यक्त किया।

अभी भी हिंसा में झुलस रहा मणिपुर उग्रवादियों ने दो पुलिस चौकियों समेत 70 घर फूंके

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
इंफाल। मणिपुर के जिरीबाम जिले (र्वेस् अैग्मू) में उग्रवादियों ने शनिवार को एक समुदाय के 70 से अधिक घर जला दिए। उग्रवादियों ने दो पुलिस चौकियों, वन विभाग के कार्यालय में भी आग

लगा दी। हिंसा के बाद जिरीबाम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) का तबादला कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उग्रवादियों के खिलाफ अभियान में सुरक्षाकर्मियों की सहायता के लिए 70 से अधिक राज्य पुलिस कमांडो की टुकड़ी को इंफाल से जिरीबाम भेजा गया है। अतिरिक्त सुरक्षा बलों को क्षेत्र में तैनात किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि लगभग मैतेयी समुदाय के 239 लोगों को शुक्रवार को जिले के खेल परिसर में बनाए गए राहत शिविर में ले जाया गया है। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। मणिपुर के जिरीबाम जिले में उग्रवादियों ने शनिवार को एक समुदाय के 70 से अधिक घर जला दिए। उग्रवादियों ने दो पुलिस चौकियों वन विभाग के कार्यालय में भी आग लगा दी। हिंसा के बाद जिरीबाम के पुलिस अधीक्षक का तबादला कर दिया गया है। उग्रवादियों के खिलाफ अभियान में सुरक्षाकर्मियों की सहायता के लिए 70 से अधिक राज्य पुलिस कमांडो की टुकड़ी को इंफाल से जिरीबाम भेजा गया है।

चीन के बधाई संदेश पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने दिया ये जवाब, दोनों देशों की सेनाओं के बीच 2020 से चल रहा गतिरोध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारत के नामित पीएम नरेन्द्र मोदी को चुनावी जीत पर बधाई

देने के लिए चीन को धन्यवाद दिया है। साथ ही कहा है कि वह पारस्परिक सम्मान, हित और संवेदनशीलता के आधार पर द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारत के नामित पीएम नरेन्द्र मोदी को चुनावी जीत पर बधाई देने के लिए चीन को धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि वह पारस्परिक सम्मान हित और संवेदनशीलता के आधार पर द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए बधाई संदेश का जवाब दे रहे थे। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा 'एक्स' पर पोस्ट किए गए बधाई संदेश का जवाब दे रहे थे। भारत लगातार यह कहता रहा है कि समग्र संबंधों को सामान्य बनाने के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति महत्वपूर्ण है। पांच जून को चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा और एनडीए को चुनाव में जीत पर बधाई। हम एक स्वस्थ और स्थिर चीन-भारत संबंध की आशा करते हैं। पांच में से चार पी-5 देशों के नेताओं ने मोदी को तीसरा कार्यकाल जीतने पर बधाई दी है। हालांकि, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से अब तक कोई बधाई संदेश नहीं आया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों, रूस, ब्रिटेन, अमेरिका, चीन और फ्रांस को पी5 राष्ट्र के रूप में जाना जाता है। भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच मई 2020 से गतिरोध चल रहा है। मोदी ने लोकसभा चुनाव में जीत पर बधाई देने के लिए यमन के प्रधानमंत्री अहमद अवाद बिन मुबारक और सेंट किट्स और नेविस के प्रधानमंत्री टेरेंस ड्रू को धन्यवाद दिया। ड्रू ने एक्स पोस्ट में कहा कि माननीय नरेन्द्र मोदी, आपके दोबारा चुने जाने पर बधाई। देश को समृद्धि और महानता की ओर ले जाने में आपकी निरंतर सफलता की कामना करता हूं। मोदी ने लोकसभा चुनाव में जीत पर बधाई देने के लिए यमन के प्रधानमंत्री अहमद अवाद बिन मुबारक और सेंट किट्स और नेविस के प्रधानमंत्री टेरेंस ड्रू को धन्यवाद दिया।

दिहाड़ी बढ़ाने की राह में केंद्र सरकार कितना होगा न्यूनतम मजदूरी सभी राज्यों के लिए होगा मान्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। असंगठित सेक्टर में काम कर रहे श्रमिकों के लिए केंद्र सरकार न्यूनतम मजदूरी का एक फ्लोर लेवल तय करने जा रही है। श्रम मंत्रालय इसकी तैयारी में जुट गया है। सभी राज्यों के लिए इस फ्लोर लेवल के हिसाब से न्यूनतम मजदूरी देना अनिवार्य होगा। असंगठित सेक्टर में काम कर रहे श्रमिकों के लिए केंद्र सरकार न्यूनतम मजदूरी का एक फ्लोर लेवल तय करने जा रही है। केंद्र सरकार के इस कदम से लगभग 50

करोड़ असंगठित सेक्टर के श्रमिकों को लाभ मिल सकता है। श्रम मंत्रालय इस बार न्यूनतम मजदूरी की जगह न्यूनतम जीवनयापन लागत तय करने की तैयारी में है। इस काम में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की भी मदद ली जा रही है। अभी राज्य केंद्र सरकार की न्यूनतम मजदूरी के फ्लोर लेवल को मानने के लिए बाध्य नहीं है क्योंकि श्रम संबंधी विषय संविधान की समवर्ती सूची में शामिल हैं। इसलिए केंद्र व राज्य दोनों ही अपनी-अपनी सुविधा के हिसाब से न्यूनतम मजदूरी तय करते हैं। केंद्र सरकार के इस कदम से लगभग 50 करोड़ असंगठित सेक्टर के श्रमिकों को लाभ मिल सकता है। क्योंकि भाजपा व गैर भाजपा शासित दोनों ही राज्य केंद्र के इस कदम का विरोध नहीं करेंगे। कांग्रेस ने तो अभी लोकसभा चुनाव के लिए जारी अपने घोषणा पत्र में न्यूनतम मजदूरी प्रतिदिन 400 रुपए करने का वादा किया था। श्रम मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक केंद्र इस मामले में कानून लाने जा रहा है ताकि कोई भी राज्य केंद्र की तरफ से तय न्यूनतम मजदूरी से कम मजदूरी किसी श्रमिक को नहीं दे सके। राज्य केंद्र की तरफ से तय न्यूनतम मजदूरी से अधिक मजदूरी देने के लिए स्वतंत्र होगा, लेकिन उससे कम नहीं दे सकेगा।इससे पहले वर्ष 2017 में केंद्र सरकार ने न्यूनतम मजदूरी के फ्लोर लेवल को अपडेट किया था जो मात्र 176 रुपए प्रतिदिन है।

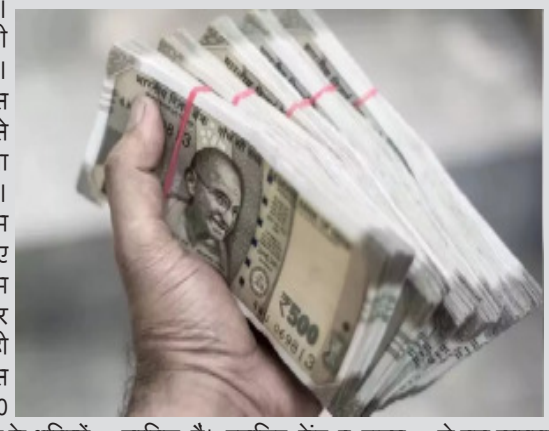

कांग्रेस संसदीय दल की नेता चुनी गई सोनिया गांधी, खरगे के प्रस्ताव पर लगी मुहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। संसद के सेंट्रल हॉल में शनिवार को कांग्रेस संसदीय दल की बैठक हुई। बैठक में सोनिया गांधी को कांग्रेस संसदीय दल की नेता चुन लिया गया। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सोनिया गांधी के नाम का प्रस्ताव रखा था, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। इस बैठक में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी सांसद राहुल गांधी, प्रमोद तिवारी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। संसद के सेंट्रल हॉल में शनिवार को कांग्रेस संसदीय दल की बैठक हुई। बैठक में सोनिया गांधी को कांग्रेस संसदीय दल की नेता चुन लिया गया। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सोनिया गांधी के नाम का प्रस्ताव रखा था जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। इस बैठक में सोनिया गांधी मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी सांसद राहुल गांधी प्रमोद तिवारी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इससे पहले शनिवार को ही राजधानी दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति (ऐंण) की बैठक हुई। बैठक में पार्टी के भविष्य की रणनीति तय करने के लिए लोकसभा चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया गया बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस संसदीय दल के अध्यक्ष पद के लिए सोनिया गांधी के नाम का प्रस्ताव रखा। पार्टी सांसद गौरव गोगोई, तारिक अनवर, के सुधाकरन ने प्रस्ताव का समर्थन किया कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा, ठसोनिया गांधी को सर्वसम्मति से कांग्रेस संसदीय दल का अध्यक्ष चुना गया है।

खराब सिबिल मुश्किल करेगा कर्ज लेना, क्रेडिट स्कोर को बेहतर बनाए रखने के लिए अपनाएं ये तरीके

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। किसी व्यक्ति की कर्ज लेने के लिए योग्यता निर्धारित करने में क्रेडिट स्कोर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसे सिबिल स्कोर भी कहा जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो कर्ज देने वाले बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को क्रेडिट स्कोर से अपने संभावित ग्राहक की वित्तीय स्थिति के बारे में जानकारी मिलती है। भारत में क्रेडिट स्कोर की शुरुआत 300 अंक से होती है और यह अधिकतम 900 अंक तक होता है। 300-549 अंक तक के क्रेडिट स्कोर को खराब माना जाता है। सामान्यतया इस स्कोर पर कर्ज नहीं मिल पाता है। 550 से 649 तक के क्रेडिट स्कोर को औसत माना जाता है। आइए जानते हैं खराब क्रेडिट स्कोर के नुकसान और अच्छे क्रेडिट स्कोर के सभी फायदे। इसी स्कोर के आधार तय किया जाता है कि संभावित ग्राहक को कर्ज, क्रेडिट कार्ड या इससे जुड़ी अन्य सेवाएं दी जाएं या नहीं। किसी भी व्यक्ति के लिए अपने क्रेडिट स्कोर को बेहतर बनाए रखना जरूरी है। इससे लोन, क्रेडिट कार्ड इत्यादि मिलने में आसानी होती है। आइए हम आपको बताते हैं क्रेडिट स्कोर को बेहतर बनाए रखने में मदद करने वाले कुछ उपाय।भारत में क्रेडिट स्कोर की शुरुआत 300 अंक से होती है और यह अधिकतम 900 अंक तक होता है। 300-549 अंक तक के क्रेडिट स्कोर को खराब माना जाता है। सामान्यतया इस स्कोर पर कर्ज नहीं मिल पाता है।

ओबरा विधान सभा के गोठानी में 2 कार्यकाल से अधूरा पड़ा रानी दुर्गावती मुख्य द्वार में अधिकारी की भूमिका संदिग्ध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के विकास खण्ड चोपन के ग्राम पंचायत गोठानी बाबा सोमनाथ मंदिर के पास विधायक निधि से रानी दुर्गावती मुख्य द्वार का निर्माण होना था जो 2017 से 2022 के बिच के कार्यकाल का कार्य था उस समय माननीय विधायक/राज्य मंत्री संजीव गोंड जी थे पुनः भाजपा की सरकार बनी वर्तमान मे भी विधायक/राज्य मंत्री संजीव गोंड जी है। परन्तु 2 कार्यकाल के बिच मे भी आज तक मुख्य द्वार अधूरा पड़ा हैं जिम्मेदार अधिकारी आँख मुंद करके सो रहें हैं सरकार की छबि पूरी तरीके से धूमिल करने मे लगे हैं अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से निर्वहन नहीं कर रहें हैं।लगभग 5 वर्ष बीतने के बाद भी आज तक मुख्य द्वारा का निर्माण ना होना को क्या कहा जाये. उच्चा अधिकारी जांच करें यह कार्य का प्रारम्भ कब हुवा,कार्य की लागत,कार्य कितने दिन में पूर्ण होना था,आज तक कार्य पूर्ण न होने पर सम्बंधित अधिकारी द्वारा क्या कार्यवाही किया गया इस कार्य मे लापरवाही बरतने वाले सम्बंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित किया जाना चाहिये।

विधायक से क्षेत्र की जर्जर सड़क के निर्माण कराने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। राबट्र्सगंज नगर पालिका क्षेत्र के लाखन बाबा मंदिर से पुसौली सम्पर्क सड़क मार्ग की निर्माण की मांग को लेकर शनिवार को स्थानीय नागरिकों ने जनता दर्शन में विधायक भूपेश चौबे से मुलाकात की। स्थानीय लोगों ने इस जर्जर सड़क की निर्माण की मांग विधायक से की। उन्हें मांग पत्र भी सौंपा। विकास नगर के रहवासी राजीव गौतम, संतोष सिंह, सुरेन्द्र जायसवाल, चंदन शर्मा, अमित सिंह, आकाश मिश्रा, अरुण प्रताप सिंह, अजीत सिंह, संतोष मौर्या ने विधायक को अवगत कराया की विकास नगर कालोनी में राजा लाखन बाबा मंदिर से पुसौली सम्पर्क मार्ग जो की विगत दस सालों से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। उक्त मार्ग पर कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए है। बारिश के दिनों में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल भरा सफर रहता है। आलम यह है की उक्त मार्ग पर गाड़ियां लोग लाने से डरते है। उक्त मार्ग पर सीसी रोड़ व सीसी नाली का निर्माण कराया जाना आवश्यक रहेगा। सड़क न बनने से लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है। लोगों का कहना है की बरसात से पहले सड़क नही बना तो स्थानीय लोग आंदोलन को बाध्य होंगे। इधर विधायक भूपेश ने जानकारी दी पूर्व में यह सड़क डूडा से बनी थी। उक्त सड़क आधा राबट्र्सगंज विधानसभा और आधा घोरावल विधानसभा होने की वजह से कुछ समस्या आ रही है। उन्होंने ईओ नगर पालिका, डूडा के अधिकारियों से वार्ता कर तत्काल सड़क निर्माण प्रक्रिया शुरू कराने की बात कही। कहा की मेरा प्रयास है की जल्द ही सड़क का निर्माण कार्य होगा।

5 कुंतल गाजा के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस लाइन सभागार में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मादक पदार्थों के खिलाफ हो रही कार्रवाई गिरफ्तारी का किया खुलासा वही श्री सिंह ने बताया कि पुलिस का अनवरत प्रहार, मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले 02 अन्तर्जनपदीय गांजा तस्कर गिरफ्तार, एक अदद अ्ण्श् ट्रक में आम लादकर उसके बीच आम के कैरट में छिपाकर रखे कुल 05 कुन्तल 04 किग्रा मादक पदार्थ गांजा (गांजा व ट्रक का कुल अनुमानित कीमत 01 करोड़ रुपये) बरामद-वही पुलिस अधीक्षक , डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों के विरुद्ध सोनभद्र पुलिस के निरन्तर प्रहार की कड़ी में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यायल) कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर राहुल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में दिनांक 07.06.2024 को थाना रॉबट्र्सगंज व एसओजी/सर्विलांस टीम द्वारा अपने प्रभावी आसूचना संजाल के इनपुट से समय रात्रि 21.00 बजे थाना रॉबट्र्सगंज क्षेत्र के सब्जी मण्डी से 01 अदद अ्ण्श् ट्रक संख्या ळझ् 70 ऋ् 5080 में आम लादकर उसके बीच आम के कैरट में गांजा छिपाकर उड़ीसा प्रान्त के रायगढ़ा से लोड करके रॉबट्र्सगंज के रास्ते प्रयागराज ले जा रहे 05 कुन्तल 04 किग्रा अवैध गांजा (अनुमानित कीमत गांजा रुपये 01 करोड़) के साथ 02 नफर अन्तर्जनपदीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इस बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना रॉबट्र्सगंज पर मु0अ0सं0-407/2024 धारा 8/20/29/60 ऋइए ँ्र का अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है । पूछताछ-का विवरण में गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों ने पूछताछ करने पर बताया कि पुलिस से बचने के लिए उक्त अ्ण्श् ट्रक में आम लादकर उसके बीच आम के कैरट में गांजा छिपाकर उड़ीसा प्रान्त के रायगढ़ा से लोड करके प्रयागराज ले जा रहे थे । यह गांजा प्रयागराज निवासी नन्हके बनिया का है। हम लोगों को एक चक्कर का अच्छा भाड़ा मिल जाता है इसी लालच में हम लोग मिलकर यह कार्य करते हैं तथा जो रुपये मिलते है हम सभी आपस में बांट लेते हैं। गांजा के साथ गिरफ्तारशुदा अभियुक्ततो में 01. सुनील कुमार बिंद पुत्र ओमप्रकाश बिंद निवासी ग्राम मवैया थाना कौंधियारा जिला प्रयागराज उम्र 22 वर्ष (वाहन स्वामी) । 02. छोटू बिंद उर्फ कमलाकर पुत्र मूलचन्द निवासी अतरसुया थाना बारा जिला प्रयागराज उम्र 19 वर्ष (वाहन चालक) अभी चल रहे वांछित अभियुक्त का विवरण में नन्हके बनिया पुत्र अज्ञात निवासी ग्राम घटवा प्रयागराज की तलाश जारी बरामदगी का विवरण-में 1. 05 कुन्तल 04 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा (अनुमानित कीमत गांजा 65 लाख रुपये) 2. 01 अदद अ्ण्श् ट्रक संख्या ळझ् 70 ऋ् 5080 (अनुमानित कीमत 35 लाख रुपये) गिरफ्तारी /बरामदगी में सम्मिलित पुलिस टीम में 01. निरीक्षक रामस्वरुप वर्मा, प्रभारी एसओजी टीम, 02. प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र राय 03. उ0नि अमित कुमार त्रिपाठी प्रभारी सर्विलांस सेल, 04. हे0का0 जगदीश मौर्या, हे0का0 सतीश सिंह पटेल, हे0का0 शशि प्रताप सिंह, का0 रितेश पटेल, का0 अजीत कुमार यादव, का0 प्रेमप्रकाश चौरसिया, जयप्रकाश सरोज स्वाट/एसओजी टीम 05. हे0का0 प्रकाश सिंह, हे0का0 अमित सिंह सर्विलांस टीम 06. हे0का0 पंकज कुमार राय, हे0का0 रविकान्त गौतम का सचिन सरोज, का रमेश गौड़।

सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर ब्लाक अंतर्गत रौप् ग्राम पंचायत में लिंक रोड 200 किमी क्षतिग्रस्त होने को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन करते हुए जताया आक्रोश बुलंद की आवाज। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि इंद्रजीत यादव ने बताया कि लगभग 10 वर्ष पूर्व से ही दो किलोमीटर क्षतिग्रस्त सड़क है जिस पर लगभग 3000 हजार आबादी के प्रवासियों का आना-जाना होता है आए दिन घटना दुर्घटना जैसे मामले संज्ञान में आते हैं इस मामले को लेकर कई बार संबंधित आला अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया इसके बावजूद भी सड़क निर्माण नहीं हो रहा है जिस पर आक्रोशित ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क निर्माण कराए जाने की बुलंद की आवाज वही प्रधान प्रतिनिधि इंद्रजीत यादव ने बताया कि रौप् लिंक रोड से पुलिस लाइन लिंक रोड तक सड़क पूरी तरह गड्ढे में तब्दील हो चुकी है जिस पर चलना मुश्किल हो गया है स्कूली बच्चे एंबुलेंस मैरिज तमाम सुविधाओं के बावजूद भी सुविधाओं से वंचित होते हैं ग्रामीण जिसको लेकर जिलाधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए सड़क निर्माण कराए जाने की ग्रामीणों ने कुहार लगे इस मौके पर गौरी शंकर पनिका ,रोलर ,गणेश, चंद्रशेखर ,भोला ,दुखरावन, मनावती, धनिया , मनवा, सोनवा, ज्योति ,अफसाना, सुशील सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 08 जून से 25 जून तक खाद्यान्न का होगा वितरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया है कि माह जून 2024 के सापेक्ष राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को दिनांक 08.06.2024 से दिनांक 25.06.2024 तक खाद्यान्न का वितरण ई-पॉस वेइंग मशींन के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं द्वारा किया जायेगा। इस अवधि में अन्त्योदय काडी पर 14 किग्रा0 गेहूँ व 21 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारक को प्रति यूनिट 02 किग्रा0 गेहूँ व 03 किग्रा0 चावल का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। इसके अतिरिक्त अन्त्योदय कार्डधारकों को माह अप्रैल 2024 से जून 2024 के सापेक्ष प्रतिमाह 01 किग्रा0 चीनी के अनुसार कुल 03 किग्रा0 चीनी रूपये 18 प्रति किग्रा0 की दर से वितरण किया जायेगा। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न न प्राप्त होने की स्थिति में कार्डधारक मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण की अन्तिम तिथि अर्थात 25.06.2024 को खाद्यान्न प्राप्त कर सकेगें। खाद्यान्न के वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगे। अन्त्योदय कार्डधारकों को चीनी के सम्बन्ध में पोर्टेबिलिटी की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी। लाभार्थी अपनी मूल दुकान से ही चीनी प्राप्त कर सकेंगे वितरण के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की शिकायत के सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षकों से एवं टोल फ्री नम्बर, 1800-1800-150 एवं 1967 पर की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि जनपद प्रतापगढ़ में कुछ उचित दर विक्रेताओं को खाद्यान्न का निर्गमन नहीं हो सका है, अतः जिन विक्रेताओं को खाद्यान्न/चीनी प्राप्त हो चुका है वह नियमानुसार दिनांक 08.06.2024 से वितरण प्रारम्भ करेगें और शेष उचित दर विक्रेता खाद्यानन/चीनी प्राप्त न होने की सूचना नोटिस बोर्ड पर चस्पा करेंगे और खाद्यान्न प्राप्त होने के उपरान्त वितरण नियमानुसार करना सुनिश्चित करेंगे।

ज्येष्ठ मास में अरैल के गंगा तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान अरैल नैनी प्रयागराज के सौजन्य से कार्यक्रम अधिकारी ओमप्रकाश श्रीवास्तव के नेतृत्व में दिनांक -09.06.2024 को ज्येष्ठ मास में अरैल के गंगा तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि हमें नदियों की निर्मलता एवं स्वच्छता के प्रति सजग एवं जागरूक होना चाहिए, जिससे कि हमारी संस्कृति एवं धरोहर मां गंगा हमेशा इस धरती पर पावन पवित्रता के साथ साथ निरंतर झर-झर, कल-कल करती हुई बहती रहे। प्रबंधक/ सचिव- कुंवर जी तिवारी ने कहा कि संस्थान द्वारा निरंतर छः वर्षों से गंगा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ -साथ लगातार अबकी तीसरे वर्ष सेल्फी प्वाइंट अरैल पक्के घाट पर आगामी -16 जून को गंगा दशहरा पर भव्य भंडारा आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सर्वश्री मनीष पांडेय, धीरज यादव, सहदेव चौरसिया, सुनील कुशवाहा, संदीप केसरवानी, आत्म प्रकाश यादव, बब्रूवाहन सिंह, धीरज राजवानी, अभिषेक यादव, विनोद गुरानी, प्रवीण तिवारी,सौरभ यादव, उज्जवल यादव, शनि यादव,गौरव यादव, कार्तिकेय तिवारी, तुलसी तिवारी आदि उपस्थित रहे।

चौकी का घेराव कर क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। लोढी स्थित जिला अस्पताल चौकी पर शनिवार को क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने चिकित्सक

स्टाफ पर कार्रवाई न होने के विरोध में विरोध प्रदर्शन करते हुए जताई नाराजगी वहीं जल्द से जल्द कार्रवाई न होने पर सोमवार को करेंगे उग्र विरोध प्रदर्शन जताएंगे आक्रोश दी चेतावनी । वही क्षेत्र पंचायत संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार शुक्ला ने बताया कि जिला अस्पताल में शुक्रवार को सदर ब्लाक अंतर्गत मुसहि क्षेत्र पंचायत सदस्य द्वारा अपने परिवार को दवा लेने पहुंचे जाने पर वहां के कर्मचारियों द्वारा उनसे हुआ दुर्व्यवहार के खिलाफ क्षेत्र पंचायत सदस्य ने चौकी में एप्लीकेशन देकर मामले में उच्च स्तरीय कार्रवाई की की मांग नहीं हुई कार्रवाई तो क्षेत्र पंचायत सदस्य संबंधित जिला अस्पताल कर्मचारियों के खिलाफ करेंगे विरोध प्रदर्शन। जिस पर अभी तक कोई कार्रवाई न होने के खिलाफ शनिवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए संबंधित चौकी प्रभारी को जल्द से जल्द कार्रवाई करने को बताया नहीं तो होगा उग्र धरना प्रदर्शन दी चेतावनी। पीडित क्षेत्र पंचायत सदस्य राम भरोसे मुसहर ने बताया कि अपने परिवार के साथ दवा इलाज करना इतना कठिन हो गया है कि चिकित्सक व स्टाफ द्वारा मनमानी तरीके से कर्मचारी के रुप बनाकर आम जनमानस और प्रतिनिधि को गाली गलौज मारपीट करने पर बड़ा हो जा रहे हैं वहीं ऐसा मामला मेरे साथ ही नहीं पूर्व में भी कई घटनाएं जिला अस्पताल में घर चुकी हैं इसके बावजूद जिला प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई उनके ऊपर नहीं की गई जिससे उनके बढ़ते मन को लेकर आम जनमानस में भय उत्पन्न हो चुका है वही पीडित ने बताया कि संबंधितों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करना प्रशासन का दायित्व है नहीं तो हम संगठन के दिशा निर्देश के अनुसार कार्य करने को दिवस होंगे जिसकी जिम्मेदारी संबंधित शासन प्रशासन की होगी इस मौके पर राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष रामसेवक पटेल राम वंश ,फेवई सिंह पटेल,राजू शर्मा, विजय कुमार भारती, चन्द्र मनी सिंह ,राम लाल,ईश्वर प्रशाद आदि लोग मौजूद रहे।

सर्कुलेटिंग एरिया एवं ट्रेनो मे बढती चोरी की घटनाओ की रोकथाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। श्रीमान् अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे श्री जय नरायन सिंह , श्रीमान् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज श्री अष्टभुजा प्रसाद सिंह, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे प्रयागराज श्रीमती सुनीता सिंह, के द्वारा रेलवे स्टेशनो, सर्कुलेटिंग एरिया एवं ट्रेनो मे बढती चोरी की घटनाओ की रोकथाम एवं पूर्व मे घटित चोरी की घटनाओ का अनावरण करने तथा अपराधियो की गिरफ्तारी व बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे प्रभारी निरीक्षक थाना जीआ?पी मिर्जापुर श्री अनिल कुमार त्रिपाठी के निर्देशन मे उ0नि0 विनोद कुमार सरोज थाना जीआरपी मिर्जापुर मय उ0नि0 श्री अभिषेक सिंह प्रभारी चौकी जीआरपी विन्ध्याचल, हे0का0 बृजेन्द्र कुमार यादव , हे0का0 सौरभ सिंह थाना जीआरपी मिर्जापुर के द्वारा दिनांक 08.06.24 को समय 13.30 बजे रेलवे स्टेशन रेलवे स्टेशन मिर्जापुर के प्लेटफार्म नं0-02/03 पूर्वी छोर पानी टंकी के पास चेकिंग के दौरान दो शातिर अभियुक्त गिरफ्तार किया गये,जिनके कब्जे से मु0अ0सं0 - 13/24, 16/24, 19/24,28/24 धारा 379,411 भादवि से सम्बन्धित से कुल चार अदद टच स्क्रीन मोबाइल भिन्न भिन्न कम्पनी का बरामद हुआ । विधिक कार्यवाही की गयी **गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता-अभियुक्त** - 1. सेराज उर्फ जावेद पुत्र मो0 लतीफ निवासी गोड़सर पाण्डेय थाना विन्ध्याचल जिला मिर्जापुर उम्र 32 वर्ष, 2.पुष्पदीप यादव पुत्र बोदल यादव निवासी गोड़सर सरपट्टी थाना विन्ध्याचल जनपद मिर्जापुर उम्र 23 वर्ष, **अनावरण अभियोग** - 1.13/24 धारा 379,411 भादवि थाना जीआरपी मिर्जापुर 2.16/24 धारा 379,411 भादवि थाना जीआरपी मिर्जापुर 3.19/24 धारा 379,411 भादवि थाना जीआरपी मिर्जापुर 4.28/24 धारा 379,411 भादवि थाना जीआरपी मिर्जापुर माल बरामदगी का विवरण- अभियुक्तगणो के कब्जे से कुल 04 अदद मोबाइल भिन्न-भिन्न कम्पनी का बरामद होना ।

सफाई करते समय करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अदलहाट। थाना क्षेत्र के पचेंगड़ा गांव निवासी एक महिला बृहस्पतिवार को सुबह घर की सफाई करते समय करंट की चपेट में आ गई। जमीन पर गिरा देख परिजन उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।थाना क्षेत्र के के पचेंगड़ा गांव निवासी मंजू (43) पतने मंगरू खाना बनाने के बाद घर की सफाई कर रही थीं। जमीन में नमी होने के कारण कहीं से बिजली का करंट प्रवाहित होने लगा। इससे वे करंट की चपेट में आ गईं। करंट की चपेट में आने से वे झुलस गईं। कुछ देर बाद जब बच्चों ने घर में गिरा पड़ा देखा तो शोर मचाया। शोर सुनकर पड़ोस के लोग पहुंच गए और विद्युत आपूर्ति बंद कर महिला को अदलहाट स्थित एक प्राइवेट अस्पताल ले गए।

नवदिवसीय श्रीराम चरित मानस महायज्ञ एवं भव्य श्रीराम कथा सुरु

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र,रामगढ़। चतरा ब्लॉक अंतर्गत विगत वर्षों की भाँत इस

वर्ष भी उत्तरामुखी अष्टसिद्ध संकट मोचन बाल हनुमान जी के प्रांगण भटपुरवा भवानीगाँव रेटीकला मे नवदिवसीय श्रीराम चरित मानस नवान्ह परायण महायज्ञ एवं भव्य श्रीराम कथा का आज हुआ शुभारंभ छत्तीसगढ से पधारे जगत गुरू रामानुजाचार्य स्वामी ब्रह्मंदेवाचार्य जी महराज के मुखारबिन्द से श्रीराम कथा तो काशी से पधारे पूज्य संत स्वामी दामोदर दास जी महराज के मुखारबिन्द से शिव कथा का शुभारंभ हुआ। श्रीरामचरित मानस नवान्ह परायण यज्ञाचार्य पं0 अमरेश चन्द्र मिश्र के आचार्यत्व मे प्रारंभ हुआ। इस पवित्र अवसर पर हरिकथा के साथ हुआ संत समागम जिसमे पूज्य संत स्वामी समर्थ श्रीरामदास महराज बलसाड़, स्वामी ध्यानानंद महराज विजयगढ़ गुरूपीठ मऊकला, अघोरी नागेश्वर बाबा, पूज्य संत स्वामी , प्रयाग गिरी महराज मौनी बाबा दीवानीचूआ, उदल दास महराज, भोला बाबा जी महराज, शम्भू बाबा, सत्य नारायण जी महराज आदि संत मौजूद रहे। इस अवसर पर गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के संस्थापक रविप्रकाश चौबे, पुर्व ब्लाक प्रमुख कृष्ण प्रताप सिंह, संस्कृत महाविद्यालय के प्रबन्धक दयाशंकर देव पाण्डेय, आचार्य कृष्णकान्त देव पाण्डेय, दामोदर देव पाण्डेय, कमलेश ओझा, राहुल सिंह, दुल्ले सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सीएमओ ने 102 व 108 एंबुलेंस वाहन किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिले में संचालित 102 108 एंबुलेंस सेवाओं में आ रही शिकायतों को लेकर शनिवार को सीएमओ डॉक्टर अश्वनी कुमार को लेकर संबंधितों को लगाई फटकार। सीएमओ डॉक्टर अश्वनी कुमार ने बताया कि 102 108 एंबुलेंस सेवाओं का निरीक्षण किया गया जिसमें साफ सफाई को लेकर

द्वारा एम्बुलेंस सर्विस व्यवस्था को दुरुस्त करने वह उसमें मिली कमियों काफी शिकायतें मिली वहीं टेंपरेचर हिटवे को देखते हुए आईश कॉल्ड पैक रखने को निर्देशित किया गया वही मेडिसिन इमरजेंसी सेवाओं की भी कुछ सही नहीं देखने को मिली जिसको लेकर संबंधित नोडल को निर्देशित किया गया कि दुरुस्त कराकर 24 घंटे के अंदर अवगत कारण नहीं तो कमियां पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी वहीं इस दौरान सीएमओ ने संबंधित एंबुलेंस के निरीक्षण के लिए 24 घंटे बाद एक टीम बनाई जिसको निर्देशित किया कि 24 घंटे बीतने के बाद अगर रिपोर्ट नहीं आती है तो इसका जांच करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें और उसके उपरांत कार्रवाई की जाएगी सीएमओ ने बताया कि किसी भी प्रकार से आम जनमानस को कोई दिक्कत परेशानी ना आ पाए इसलिए सरकार द्वारा चलाई गई सेवाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिले जिसकी पहल को लेकर बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

06 लाख के अवैध गांजा के साथ 02 अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के निर्माण/ तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी/बरामदगी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष को निर्देश के अनुक्रम में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में थाना अहरौरा पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है । दिनांकः 06.06.2024 थाना अहरौरा पुलिस टीम द्वारा मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार थाना अहरौरा क्षेत्रान्तर्गत चुनार चौराहा यात्री प्रतिक्षालय ग्राम अहरौरा डीह से 02 अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर 1. जितेन्द्र कुमार उर्फ जीतू पुत्र ओम प्रकाश निवासी नगलान थाना नोनेर जनपद मैनपुरी व 2. विपुल रजक पुत्र रघुवर दयाल निवासी पकरी थाना पकरी जनपद आरा भोजपुर बिहार को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से पीठू बैग में रखे कुल 22 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0-114/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्तों के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा जा रहा है । गिरफ्तार अन्तर्राज्यीय शातिर गांजा तस्करों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि हम लोग द्वारा पीठू बैग में छिपाकर सोनभद्र से अवैध गांजा लेकर आ रहे थे, जिसे मीरजापुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा दिल्ली ले जाना था किन्तु पकड़ लिया गया ।

मीरजापुर नगर के कई हिस्सों में शाम से ही जारी है अंधाधुंध बिजली कटौती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। 5 जून से लगातार रात 7.30 से नगर के कई हिस्सों में बिजली की आंख मिचौली जारी है। पलभर में बिजली आ रही तो फलभर में जा भी रही है। उमस भरी गर्मी से लोगों का बुराहाल हो उठा है। नगर के सिविल लाइन, रमईपट्टी, पक्का पोखरा, महुवरियां, आवास विकास कालोनी, शुक्लहां, पांडेयपुर सहित नगर के कई इलाके बुरी तरह से बिजली कटौती/ट्रिपिंग से परेशान हैं। अभी भी समस्या यथावत जारी है। लोकसभा चुनाव सम्पन्न होते ही मानों बिजली कटौती ने जोर पकड़ लिया है जिसपर ऐसा लगने लगा है कि किसी का नियंत्रण ही नहीं रहा है।

देश मे बायोफ्यूल उत्पादन की इकाइयां लगाने के लिए इंडियन ऑयल, एवरग्रीन फ्यूचर एवं बिजल ग्रीन एनर्जी ने किया करार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। इंडियन ऑयल के मार्केटिंग स्ट्रेटेजी मुख्य महाप्रबंधक सौमित्र चक्रवर्ती, बायोफ्यूल मुख्य महाप्रबंधक सिद्धार्थ मित्रा, बिज़ल के वाईस प्रेसिडेंट डॉ नीरज मिश्रा एवं एवरग्रीन फ्यूचर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक देवाशीष बोस ने समझौते के मसौदे पे हस्ताक्षर किएठ देश की तेल एवं गैस की अग्रणी पीएसयू कंपनी इंडियन ऑयल के उच्च अधिकारियों के दल ने शुक्रवार को बिज़ल ग्रीन एनर्जी के मीरजापुर स्थित बायोमास से हाइड्रोजन एवं अन्य जैव ईंधन के उत्पादन एवं प्रदर्शन केंद्र का दौरा किया। बिज़ल द्वारा बायोमास से बायोफ्यूल उत्पादन करने की विश्व की सबसे उनन्त तकनीक का अवलोकन कर इंडियन ऑयल ने बिज़ल के साथ देश मे बायोफ्यूल उत्पादन की इकाइयों के निर्माण के लिए बिज़ल के साथ एक करार भी

किया। इंडियन ऑयल पानीपत एवं मथुरा रिफाइनरी में ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन सहित देश मे बायो फ्यूल से जुड़े तमाम परियोजनाओं पे काम कर रही है जिसके लिए वो एक उनन्त तकनीक की तलाश में थे। बिज़ल, एवरग्रीन फ्यूचर एवं इंडियन ऑयल के बीच काफी दिनों से इस संदर्भ में वार्ता का दौर चालू था। कई दौर की वार्ता के बाद तीनो पक्ष देश में बायो फ्यूल से जुड़े परियोजनाओं पे संयुक्त रूप से काम करने को तैयार हुए जिसके लिए शुक्रवार को सभी पक्षों के उच्च अधिकारियों की उपस्थिति में करार के दस्तावेजों पे हस्ताक्षर हुए। इस दौरान बिज़ल के संस्थापक एवं आईआईटी बीएचयू में प्रोफेसर डॉ प्रीतम सिंह, वरिष्ठ निदेशक दौलत सिंह, मुख्य वित्तीय अधिकारी नावेद इकबाल, संजो सिंह आदि लोग उपस्थित रहे। बिज़ल के वरिष्ठ निदेशक दौलत सिंह सभी पक्षों शुभकामनाएं दी तथा को देश को ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में स्वतंत्र राष्ट्र बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बरसात से पहले सभी नाली-नालों को सफाई को लेकर नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने की समीक्षा बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने बरसात से पूर्व नगर के सभी बड़े नालों से लेकर छोटे नालों की सफाई को लेकर मुख्य सफाई निरीक्षक एवं अन्य सफाई निरीक्षको के साथ समीक्षा बैठक की।इस बैठक में मुख्य सफाई निरीक्षक ने बताया है की नगर में कुल एक सौ पच्चीस नाले है,जिसमे पालिका के संसाधनों जेसीबी आदि से अस्सी नालों की सफाई करवाई जा चुकी है,बचे हुए अन्य नालों की सफाई दस दिनों के अंदर कर ली जायेगी।बड़े नालों की सफाई मशीनों से की जा रही है।जिससे जल्द से जल्द कार्य को पूर्ण किया जा सके।इस बैठक में नपाध्यक्ष ने कहा है की सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने बरसात से पूर्व नाली नालों की सफाई एवं संचारी रोगों के प्रसार की आंशका को देखते हुए तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया है।इसलिए सभी नालों की सफाई युद्धस्तर पर कर ली जाए,जिससे नगर के किसी भी इलाके में जलजमाव की स्थिति न उत्पन्न हो।साथ ही एंटीलार्वा का छिड़काव भी कराया जाए जिससे बरसात में संचारी रोगों की रोकथाम हों सके।इस मौके पर सीएसआई मनोज सेठ,सफाई निरीक्षक संकल्प पाण्डेय,संजय श्रीवास्तव,मधुसूदन सिंह,नंद किशोर शर्मा,जोनल प्रभारी जटा शंकर पटेल मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत (सहजनकला)
पत्रांक मेमो

विकस खण्ड (राबर्टसगंज)
दिनांव 08.06.2024

निविदा सूचना

विकास खण्ड **राबर्टसगंज** के ग्राम पंचायत **सहजनकला** मे मनरेगा/आंगनबाडी/स्वच्छता किट/ स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत शैचालय/5वॉ वित्त/चतुर्थ रात्य वित्त योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कराये जाने वाले कायो के लिए ईट, ईट रोडी भस्सी, सीमेन्ट, मोटा बालू, डाला गाडी/ई रिक्शा पत्थर गिटी, पटिया,मोरग,सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट, सरिया, हयूम पाइप, स्टोन बस्ट, सफाईकमी का किट एस्बेस्टस शीट/ टीन सेड, सीमेन्ट ईट, कट स्टोन, पेन्ट, गेट, दरवाजा, टाईल्स, हैण्ड पम्प सामग्री, डालाग्रिट, विद्युत सामग्री, स्मोसम, रिबोर, डिस्टेम्पर, प्रईमर, प्लाईवुड, कोटा स्टोन, इण्टर लांकिंग ईट, हस्टबीज, जी0एस0बी0 पी0पी0सी0 पाईप, डब्ल्यू सी0 पैन, बौल्डर व शौखलय सेड हैडपंप सामग्री के कार्य हेतु अल्पकालिन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक पंजीकृत फर्म दिनांक 12-06-2024 से 26-06-2024 दिन के 11:00 सें 02:00 बजे तक अपनी शील बन्द निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्रस्तुत कर सकते है, निविदा दिनांक 27-06-2024 को 10:00 बजे के समक्ष खोली जाएगी।

निविदा की शर्त एवं आवेदन पत्र सम्बन्धित ग्राम पंचायत के सचिव अथवा रोजगार सेवक से किसी भी कार्य दिवास मे प्रातः 11:00 बजे से 03:00 तक लिया जा सकता है।

ग्राम प्रधान (सहजनकला)

विकस खण्ड (राबर्टसगंज)

ग्राम पंचायत

ग्राम पंचायत

अच्छी बॉलिंग नहीं करनी है, विराट-रोहित को अपना फैंस ने शाहीन अफरीदी से कही यह बात; शर्म से हो गए पानी-पानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 का महामुकाबला 9 जून, यानी रविवार को खेला जाएगा। दोनों टीमें आठवीं बार टी20 वर्ल्ड कप में आमने-सामने होंगी। पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत को एक ही बार हरा पाया है, जबकि भारत ने 6 बार धूल चटाई है। अब एक बार फिर दोनों टीमें एक दूसरे को मात देने के लिए न्यूयॉर्क में

रविवार को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप के रोमांचक मुकाबले में आमने-सामने होंगे। इस बड़े मुकाबले से पहले कुछ भारतीय फैंस के शाहीन शाह अफरीदी से मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में फैंस ने शाहीन से एक गुजारिश की है। भारत और पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाएगा। यह एक अस्थायी क्रिकेट स्टेडियम है। इसी मैदान पर भारत ने आयरलैंड के खिलाफ पहला मुकाबला खेला था। अब 9 जून को भारत पाकिस्तान का सामना करने के लिए तैयार है। इससे पहले शाहीन अफरीदा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कुछ फैंस न्यूयॉर्क में शाहीन शाह अफरीदी से मुलाकात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान फैंस को उनके साथ माजक मस्ती करते हुए भी देखा जा सकता है। इसके साथ ही एक फैन को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि 'हम यहां खासतौर पर यह मैच देखने आए हैं।' इस शाहीन ने उन्हें धन्यवाद किया। एक फैन को पाकिस्तान के तेज गेंदबाज से यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह भारत के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी न करें, जबकि दूसरे ने शाहीन से रोहित शर्मा और विराट कोहली को अपना दोस्त मानने का अनुरोध किया। इस बातचीत के दौरान अफरीदी शांत रहे और भारतीय फैंस से बातचीत करते हुए उनके चेहरे पर मुस्कान थी। बता दें कि न्यूयॉर्क के वेस्टबरी में लॉन्ग आइलैंड पर 34,000 दर्शकों की क्षमता वाले विशेष स्टेडियम में ड्रॉप-इन पिचों लगाई गई हैं। इसी मैदान पर भारत और पाकिस्तान के बीच मैच खेला जाएगा। पिच पर असमान उछाल है। इस पिच पर बाबर के बल्लेबाजों को भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के खिलाफ संघर्ष करना होगा। वहीं, शाहीन के सामने भारतीय बल्लेबाजों की परेशानी बढ़ सकती है।

ये हो सकती भारत और पाकिस्तान की संभावित प्लेइंग इलेवन, इस ऑथीडॉक्स खिलाड़ी को मिल सकता है मौका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 का महामुकाबला 9 जून, यानी रविवार को खेला जाएगा। दोनों टीमें आठवीं बार टी20 वर्ल्ड कप भिड़ने को तैयार हैं भारत और पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाएगा। यह एक अस्थायी क्रिकेट स्टेडियम है। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में जीत के साथ आगाज किया है। आयरलैंड के खिलाफ खेले गए पहले मैच में भारत ने 8 विकेट से जीत दर्ज की। कप्तान रोहित शर्मा के बल्ले से अर्धशतकीय पारी देखने को मिली। लंबे समय बाद क्रिकेट में वापसी कर रहे ऋषभ पंत ने भी कुछ दर्शनीय शॉट खेले। इससे पहले गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज ने दमदार प्रदर्शन किया। हालांकि, सभी की निगाहें हार्दिक पांड्या के प्रदर्शन पर रहीं। मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालने के बाद से उन्हें आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा। पूर्व क्रिकेटरों ने उनकी खराब कप्तानी और प्रदर्शन पर सवाल उठाए थे। इन सभी को पीछे छोड़ते हुए हार्दिक ने गेंदबाजी में अपना जौहर दिखाया और तीन विकेट चटकाए। शिवम दुबे ने भी गेंदबाजी से प्रभावित किय वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान के लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा है। अपने पहले मुकाबले में उसकी तैयारी की पोल खुल गई है। उसके टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज अमेरिका के सामने फेल दिखे। गेंदबाजों ने भी खूब रन लुटाए। संन्यास के बाद वापसी करने वाले मोहम्मद आमिर ने सुपर ओवर में 18 रन खर्च किए। शाहीन अफरीदा, हारिस रऊफ को विकेट लिए संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, भारत के खिलाफ पाकिस्तान वापसी करने को देखेगी। टीम इंडिया- रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज टीम पाकिस्तान- बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, सईद अयूब, फखर जमान, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद आमिर, हारिस रऊफ और नसीम शाह।

20 साल में पहली बार दिखेगा ऐसा नजारा, फाइनल में अलकराज और ज्वेरेव की टक्कर होगी एतिहासिक

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अलकराज ने चार घंटे नौ मिनट तक चले मैराथन सेमीफाइनल मुकाबले में इटली के जानिक सिनेर को हराकर फ्रेंच ओपन फाइनल में जगह बना ली, जहां उनका सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। अलकराज ने 2-6, 6-3, 3-6, 6-4, 6-3 से मुकाबला जीतकर पहली बार रोलां गैरो पर फाइनल में जगह बनाई। कार्लोस अलकराज 21 वर्ष की आयु में तीन अलग-अलग सतह पर ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले स्पेन के सबसे कम आयु के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 2022 में हार्ड कोर्ट पर यूएस ओपन 2023 में घासियाले कोर्ट पर विंबलडन जीता था और अब रोलां गैरो में लाल मिट्टी पर चैंपियनशिप के लिए खेलेंगे। उनके सामने जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव होंगे। स्पेन के 21 वर्ष के अलकराज तीन तरह के कोर्ट पर ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने हार्डकोर्ट पर 2022 अमेरिकी ओपन और ग्रासकोर्ट पर 2023 विम्बलडन जीता था। अब वह क्लेकोर्ट पर फ्रेंच ओपन फाइनल खेलेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त अलकराज का सामना चौथी वरीयता प्राप्त जर्मनी के ज्वेरेव से होगा, जिन्होंने नार्वे के कैस्पर रुड को सेमीफाइनल में 2-6, 6-2, 6-4, 6-2 से मात दी। यह 2004 के बाद पहला फ्रेंच ओपन फाइनल है, जिसमें राफेल नडाल, नोवाक जोकोविक या रोजर फेडरर नहीं हैं। अलकराज ने कहा, ठआपको खेल के दौरान आनंद लेना होगा। साथ ही अपने विरोधी के सामने तुम्हें लड़ना होगा। तुम्हें संघर्ष करना पड़ेगा बनाया रिकॉर्ड अलकराज 21 वर्ष की आयु में तीन अलग-अलग सतह पर ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले स्पेन के सबसे कम आयु के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 2022 में हार्ड कोर्ट पर यूएस ओपन, 2023 में घासियाले कोर्ट पर विंबलडन जीता था और अब रोलां गैरो में लाल मिट्टी पर चैंपियनशिप के लिए खेलेंगे।

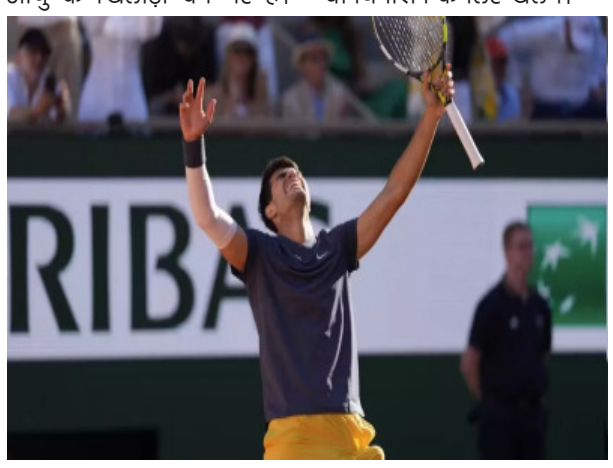

'ट्रैफिक लाइट ग्रीन छोड़' आनंद महिंद्रा ने उड़ाया पाकिस्तान का मजाक, यूजर्स ने भी लिए खूब मजे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान की हार पर महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने पाकिस्तान टीम पर कटाक्ष किया है। आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया पर चुटकी लेते हुए लिखा कि थोड़ा मनोरंजन पाने के लिए रात भर जागता रहा। उन्होंने आगे लिखा कि वह मुझे मिला भी। महिंद्रा की इस पोस्ट पर यूजर्स ने खूब कमेंट किए हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान की हार पर महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने पाकिस्तान टीम पर कटाक्ष किया है। आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया पर चुटकी लेते हुए लिखा कि थोड़ा मनोरंजन पाने के लिए रात भर जागता रहा। उन्होंने आगे लिखा कि पाकिस्तान टीम ने ट्रैफिक लाइट ग्रीन पर ही छोड़ दिया। दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप 2024 के ग्रुप ए में सह-मेजबान अमेरिका ने पाकिस्तान को हराकर बड़ा उलटफेर किया। अमेरिका ने पाकिस्तान को सुपर ओवर में 5 विकेट से मात दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 20 ओवर में 159 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिका ने तीन विकेट खोकर स्कोर बराबर कर लिया। मैच सुपर ओवर में गया। अमेरिका ने 19 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान 13 रन ही बना सक पाकिस्तान की इस हार पर टीम की खूब आलोचना हुई। सोशल मीडिया पर क्रिकेट फैंस ने खूब मीम्स शेयर किए। इसी कड़ी में महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने पाकिस्तान टीम के मजे ले लिए। एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, 'पाकिस्तान ने ट्रैफिक लाइट को ग्रीन पर छोड़ दिया, जिससे पटेल और रेड, व्हाइट और ब्लू उनके पास से निकल गए! मैं थोड़ा मनोरंजन पाने के लिए जागता रहा और मुझे जो मिला वह इतिहास का एक टुकड़ा था।

विश्व कप में पाकिस्तान को फिर से हराने उतरेगी भारतीय टीम, पाकिस्तान की गेंदबाजी और भारत की बल्लेबाजी में दिखेगी टक्कर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 1992 में सिडनी से शुरू हुआ जीत का दौर 2024 में न्यूयार्क की नसाऊ काउंटी के आइजनहवर पार्क में बने अस्थायी स्टेडियम में भी बना रहना चाहिए। भारत ने आस्ट्रेलिया में 1992 में हुए वनडे विश्व कप में पाकिस्तान को सबसे पहले हराया था। तब से अब तक 15 वनडे और टी-20 विश्व कप हो चुके हैं जिसमें सिर्फ 2021 में दुबई में हुए टी-20 मुकाबले में भारतीय टीम को हार मिली है। रोहित शर्मा की सेना रविवार को बाबर आजम की टीम को एक बार और पस्त करके अपने जीत के दौर को जारी रखना चाहेगी। जब भारतीय टीम अमेरिका में पड़ोसी देश की टीम को हराएगी तो उसकी आवाज 12000 किलोमीटर दूर बैठे 1.4 अरब से ज्यादा भारतीयों को सुनाई देगी। ये 22 खिलाड़ियों की टक्कर नहीं है.. ये पूरी दुनिया में बसे हिंदुस्तानियों और पाकिस्तानियों के बीच की टक्कर है। भारतीय के मन में सिर्फ एक चाहत रहती है कि भारतीय टीम भले ही कोई भी मैच हार जाए लेकिन पाकिस्तान से नहीं हारे। भारत की ता?कत : रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली टीम अनुभव और युवा ऊर्जा से भरपूर है। विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह हाल ही में आइपीएल में शानदार फार्म में थे। चोट से वापसी करने वाले रिषभ पंत से टीम को एक्स फैक्टर मिला है। पाकिस्तान की ताकतः पाकिस्तानी टीम की गेंदबाजी उसका सबसे मजबूत पक्ष है। मोहम्मद आमिर के साथ नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ की चौकड़ी बेहद खतरनाक है।

पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में कुमुद ने एक स्वर्ण व दो रजत पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाज कुमुद सैनी ने शनिवार को एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट चरण-3 में व्यक्तिगत महिला कंपाउंड स्पर्धा में कोरिया के पार्क येरिन को 143-140 के स्कोर से मात देकर स्वर्ण पर निशाना साधा। यह टूर्नामेंट कोरिया के सुवोन में आयोजित हुआ था। उन्होंने पहले ही राउंड में 28-26 की बढ़त ले ली। दूसरे में अपनी बढ़त 58-55 तक बढ़ा दी, लेकिन तीसरे में कोरियाई खिलाड़ी ने इसे वापस 86-84 पर ला दिया। सैनी अंतिम दो राउंड में निर्णायक रहीं और भारत के लिए पहला व्यक्तिगत पदक हासिल किया। महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा में कुमुद सैनी माया बिशनेई और तेजल राजेंद्र साल्वे की टीम फाइनल में सिम सूइन पार्क जुंगयून और पार्क येरिन की दक्षिण कोरियाई टीम से 234-232 के अंतर से हार गई। कंपाउंड मिश्रित स्पर्धा

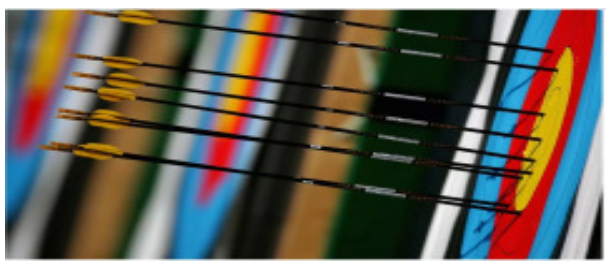

के मुकाबले में कुमुद सैनी और मानव जाधव को दक्षिण कोरिया के सिम सूइन और कांग डोंगहियोन से 157-155 के स्कोर से हारकर रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। वहीं कुमुद ने टीम और मिश्रित स्पर्धा में दो रजत पदक हासिल किए। महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा में कुमुद सैनी, माया बिशनेई और तेजल राजेंद्र साल्वे की टीम फाइनल में सिम सूइन, पार्क जुंगयून और पार्क येरिन की दक्षिण कोरियाई टीम से 234-232 के अंतर से हार गई। कंपाउंड मिश्रित स्पर्धा के मुकाबले में कुमुद सैनी और मानव जाधव को दक्षिण कोरिया के सिम सूइन और कांग डोंगहियोन से 157-155 के स्कोर से हारकर रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। 17 वर्षीय कुमुद यमुनापार के दिलशाद गार्डन स्थित पाकेट-ए में परिवार के साथ रहती है। वह यमुना स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में कोच लोकेश चंद और जगबीर सिंह के नेतृत्व में अभ्यास करती है। उनके पिता जितेंद्र सैनी ने एफडी तोड़कर उन्हें पहली बार तीरंदाजी का धनुष दिलाया था। पिता ने बताया कि एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट चरण-3 कुमुद के जीवन का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट था। पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में ही तीन पदक जीतने पर पूरे परिवार को उनपर गर्व है। वह अभी तक राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर 16 स्वर्ण पदकों पर निशाना साध चुकी हैं। महिला कंपाउंड व्यक्तिगतः कुमुद सैनी- स्वर्ण महिला कंपाउंड टीमः कुमुद सैनी, माया बिशनेई और तेजल राजेंद्र साल्वे- रजत मिश्रित कंपाउंड टीमः कुमुद सैनी और मानव जाधव- रजत पुरुष कंपाउंड टीमः मानव जाधाओ, गणेश मणि रतन्म थिरुमुरु और कुशल दलाल- कांस्य महिला रिकर्व टीमः भार्गवीबेन भगोरा, बसंती महतो, शारवरी सोमनाथ शेंदे- कांस्य।

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

अंशु मलिक ने बुडापेस्ट में रजत पदक जीता, अंतिम पंघाल की भी चांदी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक फाइनल में अपनी 21 वर्षीय चीनी प्रतिद्वंद्वी केक्सिन होंग की चुनौती से पार पाने में नाकाम रहीं और उन्हें यहां बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज कुश्ती टूर्नामेंट के 57 किग्रा वर्ग में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी के विरुद्ध अंशु मलिक को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 1-12 से हार झेलनी पड़ी। बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज कुश्ती टूर्नामेंट के 57 किग्रा वर्ग में भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक फाइनल में अपनी 21 वर्षीय चीनी प्रतिद्वंद्वी केक्सिन होंग की चुनौती से पार पाने में नाकाम रहीं। ऐसे में उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारत की अंतिम पंघाल ने इससे पहले 53 किग्रा वर्ग में रजत पदक हासिल किया। विनेश फोगाट 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीन की जियांग झू से 0-5 से हार गई थीं। अंशु ने मोल्दोवा की अनास्तासिया निचिता के विरुद्ध 6-5 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। इसके बाद उन्होंने विश्व चैंपियन झांग क्यूई की चुनौती को 2-1 से पार करके एक और चीनी खिलाड़ी के साथ खिताबी भिड़ंत सुनिश्चित की।

सम्पादकीय

विपक्ष की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है, अब सदन की संरचना में दिखेगा संतुलन

अब सदन की विभिनन समितियों की संरचना अधिक संतुलित होगी और सदन के अध्यक्ष ऐसे होंगे, जो सभी दलों को स्वीकार्य होंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता के पास सांसदों की पर्याप्त संख्या होगी और उनकी जिम्मेदारी भी बढ़ेगी। जब आप 9 जून, 2024 को यह कॉलम पढ़ेंगे, तब नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बन चुके होंगे, लेकिन ये वे मोदी नहीं होंगे। यहां एक दल वाले सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में वे नहीं होंगे। इस बार वे कई दलों के गठबंधन के प्रधानमंत्री होंगे। इनमें कई दल ऐसे भी हैं, जिनके पास 20 से कम सीटें हैं, जैसे कि टीडीपी के 16 और जेडीयू के पास 12 सांसद हैं। यह उनके लिए पूरी तरह से एक नया अनुभव होगा। एक प्रचारक, भाजपा के महासचिव, गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के अपने 55 साल के सार्वजनिक जीवन में मोदी के पास इस तरह की भूमिका की पहले से कोई तैयारी नहीं है। अब वे एक ऐसे खेल में उतरने जा रहे हैं, जिसके बारे में उन्हें बहुत जानकारी नहीं है। हाल ही में खत्म हुए लोकसभा चुनाव में देश के लोगों ने उन चीजों को हासिल किया, जो कुछ सप्ताह पहले तक असंभव लग रहा था। अब दोनों सदनों की कार्यवाही नियम, कानून और सर्वसम्मति से चलेगी, न कि पीठासीन अधिकारी और सदन के नेता के हिसाब से । सदन की विभिनन समितियों की संरचना अधिक संतुलित होगी और सदन के अध्यक्ष ऐसे होंगे, जो सभी दलों को स्वीकार्य होंगे। लोकसभा में विपक्ष का एक नेता होगा, जिसके पास सांसदों की पर्याप्त संख्या होगी। देश के संविधान को बिना ट्रेजरी बेंच और विपक्ष की सहमति के बिना कोई संशोधन नहीं किया जा सकेगा। कैबिनेट या मंत्रिपरिषद की बैठकों में अब प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए फैसलों का औपचारिक समर्थन नहीं होगा, जैसा कि कई मामलों में हो चुका है। उदाहरण के लिए, अब कैबिनेट को प्रधानमंत्री के कठोर कदम के बारे में केवल 'सूचित' नहीं किया जाएगा, बल्कि राज्यों के अधिकारों को स्वीकार किया जाएगा और उनकी बेहतर सुरक्षा की जाएगी; राज्यों को धन के हस्तांतरण और मंत्रालयों/विभागों और योजनाओं को धन का आवंटन मनमाने ढंग से नहीं किया जा सकेगा, इसमें भी घटक दलों की सहमति लेनी होगी। अब प्रधानमंत्री को सदनों की कार्यवाही में अधिक से अधिक हिस्सा लेना होगा और विपक्ष के प्रशनें का उत्तर देने और महत्वपूर्ण बहसों में भाग भी लेना पड़ सकता है। जनादेश से सीख इस बार लोगों ने अपनी बात कह दी है। वे स्वतंत्रता, बोलने और अभिव्यक्ति के अधिकार, निजता के अधिकार और विरोध के अधिकार को महत्व देते हैं। सरकार को 'देशद्रोह' और 'मानहानि' के फर्जी मामले दायर करने की आदत छोड़नी होगी। यह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए एक सीख होगी। उन्हें भी 'एनकाउंटर' और 'बुलडोजर न्याय' को छोड़ देना चाहिए। राम मंदिर राजनीति से दूर की चीज है और उसे दोबारा राजनीतिक मकसद के लिए उपयोग नहीं करना चाहिए। 77 साल के समाजवादी पार्टी के नेता अवधेश प्रसाद, फैजाबाद से चुनाव जीत गए, जबकि प्रधानमंत्री के पूर्व मुख्य सचिव और मंदिर निर्माण ट्रस्ट के मुखिया नृपेंद्र मिश्रा के बेटे साकेत श्रावस्ती से चुनाव हार गए। जनता स्वतंत्र मीडिया चाहती है, वह मनगढंत एग्जिट पोल नहीं चाहती और न ही वह प्रधानमंत्री की हर बात का कवरेज चाहती है। जनता पहले से निर्धारित सवाल-जबाव भी नहीं चाहती है और न ही वह ईडी और सीबीआई के दिए गए आंकड़ों पर विश्वास करती है। लोगों का मानना है कि क्षेत्रीय दलों को अपनी मूल मान्यताओं पर डटे रहना चाहिए बजाय इसके कि वह दिल्ली में कुछ कहे और राज्य की राजधानी में कुछ और। ऐसा करने वाली पार्टियों के साथ सख्ती से पेश आना चाहिए, जनता ने पहले असम गण परिषद, शिरोमणि अकाली दल, जननायक जनता पार्टी और जनता दल सेक्यूलर को जनादेश न देकर सबक सिखाया। मौजूदा चुनाव में बीजू जनता दल और वाईएसआरसीपी के साथ भी जनता ने ऐसा ही किया है। यह सबक तेलुगु देशम पार्टी और. जनता दल यूनाइटेड के लिए एक नजीर हो सकती है।विपक्ष को एजेंडा उठाना चाहिए विपक्ष के पास 10 साल बाद संसद के अंदर जिम्मेदार विपक्षी दल की तरह व्यवहार करने का मौका है। उसे संसद के अंदर और बाहर अपने एजेंडे को मजबूती से उठाना चाहिए। यहां कुछ बातें हैं, जिन्होंने लोगों के मन को प्रभावित किया है और लोगों ने बड़ी संख्या में इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों को चुना है।

तो क्या ये नए गोल्ड स्टैंडर्ड की आहट है? अतीत से सुनें वर्तमान की धड़कन

दुनिया भर के केंद्रीय बैंक दबाकर सोना खरीद रहे हैं। सोने की कीमतें अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं, मगर बैंक पगलाए हुए सोना जुटाने में लगे हैं। वह भी अब तक की सबसे ऊंची कीमत पर। दुनिया में अब तक जितना सोना निकाला गया है, उसका 20 फीसदी हिस्सा विश्व के केंद्रीय बैंकों की तिजोरियों में है।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) लंदन की तिजोरियों से सोना निकालकर भारत ला रहा है। इन तिजोरियों के इस्तेमाल की अपनी लागत जो है। आरबीआई के पास करीब 822 टन सोने का भंडार है। आरबीआई ने 2019 से 2024 के बीच 209 टन सोना खरीदा है। इतना सोना है, तो इसे संभालने का भी झंझट है। भारत ही क्यों? दुनिया भर के केंद्रीय बैंक दबाकर सोना खरीद रहे हैं। चीन ने लगातार 17 महीने सोने की खरीद की। विश्व के केंद्रीय बैंकों के पास अब करीब 2,262 टन सोना जमा है। सोने की कीमतें अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई?पर हैं,?मगर केंद्रीय बैंक पगलाए हुए सोना जुटाने में लगे हैं। वह भी अब तक की सबसे ऊंची कीमत पर। दुनिया में अब तक जितना सोना निकाला गया है, उसका 20 फीसदी हिस्सा विश्व के केंद्रीय बैंकों की तिजोरियों में है। इस दीवानगी की वजह क्या है??गोल्ड स्टैंडर्ड तो कब का दफन?हो गया, जिसमें किसी देश की करेंसी का मूल्यांकन सोने में किया जाता था।?केंद्रीय बैंक तो संप्रभु करेंसी के मालिक हैं, जो सोने में नापे जाने की शर्त से मुक्त हैं।?बाजार बता रहा है कि बैंकों को दुनिया भर की करेंसी, खासतौर पर डॉलर में गिरावट के डर से उनके विदेशी मुद्रा भंडार सोने की आमद से चमक रहे हैं। घाना 2023 से तेल का भुगतान गोल्ड में कर रहा है।?रूस ने युद्ध के दौरान रुबल देकर सोना जुटाने का एलान किया था,?तो क्या नए गोल्ड स्टैंडर्ड की आहट है? आइए, टाइम मशीन का मोटर गुर्रा रहा है, अपनी सीट पकड़िए और उड़ चलते हैं गोल्ड स्टैंडर्ड की रोमांचक दुनिया में। अब हम अमेरिका के न्यू हैंपशायर के ऊपर से उड़ रहे हैं। पर्वतों से घिरा यह रिजॉर्ट टाउन, जो स्कीइंग के दीवानों का गढ़ है। हम बढ़ रहे हैं 18वीं सदी के आखिरी दशकों की तरफ। यहां?कोयला और रेलवे का विकास हो रहा है। कोयला व रेलवे के कारोबार से अमीर बने जोसेफ स्टेकिनी माउंट वॉशिंगटन नाम का होटल बना रहे हैं। यह होटल 21वीं सदी में मौजूद रहेगा, मगर इससे पहले यह अनोखा इतिहास बनाएगा। टाइम मशीन ने गियर बदला है। अब हम 1944 में हैं।?दूसरे विश्वयुद्ध का खून-खच्चर?चरम पर है। हम उसी माउंट वॉशिंगटन होटल पर पहुंचे हैं, जो बड़ी जंग के बीच एक बड़े समझौते की तैयारी कर रहा है। यहां 44 देश जुटे हैं, जिनमें ब्रिटिश इंडिया भी है, तालियों की गूंज?में नई आर्थिक व्यवस्था बन गई है। विश्व के प्रमुख देशों ने विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ जैसी संस्थाओं की बुनियाद रख दी है। यहीं से निकल रही है एक नई मौद्रिक व्यवस्था, यानी गोल्ड स्टैंडर्ड। कागजी मुद्रा का सोने में मूल्यांकन। एक औंस सोने के बदले 35 अमेरिकी डॉलर, दुनिया ने मिलकर अमेरिका को गोल्ड स्टैंडर्ड का संचालक बना दिया है। अमेरिका को इस पैमाने को कायम रखना है। मतलब, अगर सोने की विनिमय दर 35 डॉलर से नीचे जाती, तो अमेरिका को डॉलर छापकर इसे संतुलित करना होता था। गोल्ड स्टैंडर्ड के साथ ही उस वक्त की तीन बड़ी मुद्राओं-ब्रिटिश पाउंड, जर्मन मार्क, फ्रेंच फ्रैंक के विनिमय का आधार अमेरिकी डॉलर हो गया है। मौद्रिक स्टैंडर्ड का यह अनोखा प्रयोग है, जिसे युद्ध से उबरती दुनिया ने अपना लिया है। अब बढ़ते हैं 1960 के फ्रांस की तरफ, जहां दिखेगी एक अनोखी कूटनीतिक जंग। बताते चलें कि 1960 के बाद वक्त ने करवट ली। जापान और यूरोप का निर्यात तेजी से बढ़ा। विश्व व्यापार में अमेरिका का हिस्सा घटने लगा।?अमेरिकी डॉलर की मांग कम हो गई, तो दुनिया के देश अमेरिका से डॉलर के बदले सोना मांगने लगे।?इसी दौरान अमेरिका में रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए और ज्यादा करेंसी छापी गई। आपके सामने अखबारों की सुखिर्यां?तैर रही है,?जो बता रही है कि बाजार में अमेरिका के डॉलर ज्यादा हो गए व अमेरिका के पास सोना कम रह गया। इसके साथ ही दुनिया के मुद्रा बाजार में अमेरिका की ताकत कम होने लगी। अब हम पेरिस में है। माइक पर गरज रहे फ्रांस के राष्ट्रपति चार्ल्स डे गॉल ने फ्रांस के नए राजनीतिक दौर?की शुरुआत की है।?पेरिस की राजनीतिक हवा में आपको यह पता चल जाएगा कि यूरोप के सबसे तेज-तर्रार नेताओं में से एक चार्ल्स डे गॉल अमेरिका विरोधी हैं। फ्रेंडी रूजवेल्ट से लेकर रिचर्ड निक्सन तक छह अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ उनके रिश्ते?ज्यादातर खट्टे रहे हैं।?अब चार्ल्स डे गॉल ने अमेरिकी अगुआई वाले गोल्ड स्टैंडर्ड को निशाना बनाया है। गॉल ने फ्रांस में अमेरिका से डॉलर के बदले सोना लेना शुरू कर दिया है।?इस कदम का रहस्य खुलने तक फ्रांस करीब 15.करोड़ डॉलर के बदले सोना दे चुका है। अब खबरों पर नजर जमाइए।?डे गॉल ने एलान कर दिया है कि फ्रांस के पास जितने भी अमेरिकी डॉलर हैं, उनके बदले वह अमेरिका से सोना वसूल करेगा। किसी मित्र देश की तरफ से यह अमेरिका पर सबसे बड़ा कूटनीतिक हमला है। फ्रांस के बाद स्पेन ने भी अमेरिका से सोना वसूल लिया। अब बाजार में सोने की कीमत खौलने लगी है। यह अक्तूबर,1960 है, जब सोने की कीमत रिकॉर्ड 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। अब हम लंदन चलते हैं, ब्रिटेन, पश्चिम जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड व अमेरिका ने मिलकर लंदन गोल्ड पूल बनाया है।?इन देशों के पास उपलब्ध सोने के भंडारों के इस्तेमाल से गोल्ड स्टैंडर्ड को बचाने की कोशिश की गई है।?इस भंडार के जरिये 35 डॉलर प्रति औंस?की कीमत को बचाया जा रहा है। इस गठजोड़ में दरारों पर नजर रखते हुए हमारी टाइम मशीन 1968 में आ गई है। फ्रांस ने इससे नाता तोड़ लिया है और लंदन गोल्ड पूल ढह गया।?दुनिया में गोल्ड स्टैंडर्ड की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सोने की खबरों के बीच आपको पता चलेगा कि 1962 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने दुनिया के नौ केंद्रीय बैंकों के साथ एक स्वैप सुविधा शुरू की थी। इनमें ब्रिटेन, तब का पश्चिम जर्मनी, इटली, फ्रांस और कनाडा प्रमुख थे। कोशिश थी कि डॉलर के बदले सोने की मांग सीमित व संतुलित की जा सके, लेकिन?अमेरिका के मौद्रिक सिस्टम की दरारें खुल चुकी थीं। सोना कम था व डॉलर की भरमार थी। अंततः गोल्ड स्टैंडर्ड का अंत आ पहुंचा। टाइम मशीन लंदन से वॉशिंगटन आ गई है। यह 1971 का ऐतिहासिक?वर्ष है। अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने डॉलर की सोने से परिवर्तनीयता खत्म कर दी। अमेरिका में गोल्ड के आयात पर दस फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी लगा दी गई।?गोल्ड स्टैंडर्ड खत्म हो गया। सोना दुनिया की आधारभूत मुद्रा?नहीं रहा है। नई मौद्रिक प्रणाली में डॉलर नई आधारभूत मुद्रा थी। अब संप्रभु करेंसी सोने पर आधारित नहीं थी। इसलिए इनमें तेज उतार-चढ़ाव होने लगा। इसका बड़ा लाभ यह है कि अर्थव्यवस्था की जरूरत के लिए मुद्रा छापी जा सकती थी, मगर छापाखानों से आगे महंगाई भी निकलने लगी थी। नजर आएगा कि नई मौद्रिक प्रणाली का उद्घाटन अमेरिका में ग्रेट इन्फ्लेशन यानी महा महंगाई के साथ हो रहा है। टाइम मशीन वापस 2024 में आ गई है। हम अब मुंबई में हैं, जहां रिजर्व बैंक लंदन से सोना लाने की तैयारी में लगा है। दुनिया के बैंक डॉलर बेचकर सोना जुटा रहे हैं।?उनके विदेशी मुद्रा भंडार में सोने का हिस्सा बढ़ रहा है। संप्रभु मुद्राएं टूट रही हैं। महंगाई जिद्दी हो चली है।?सोने की कीमत रिकॉर्ड बना रही है। लोग पूछ रहे हैं, कि जब सोना सस्ता होगा, तब ये बैंक क्या करेंगे??इनके विदेशी मुद्रा भंडारों की कीमत टूटेगी, तो मुद्राओं का क्या होगा या फिर सारे बैंक मिलकर सोने की महंगाई को स्थायी बना देंगे? बड़ा ही दिलचस्प मौद्रिक दौर?है यह। फिर मिलते?हैं।

गूगल सब जानता है अगर आप आंख बंद कर इसकी बात मानने की सोच रहे हैं, तो आप संकट में हैं

गूगल का जेनरेटिव एआई मॉडल सेहत के लिए रोज एक छोटी चट्टान खाने का सुझाव देता है, क्योंकि यह खनिजों से भरपूर होती हैं। कहीं आप भी ऐसा करने तो नहीं चले!गूगल सब जानता है। आप उससे पूछें कि केलों को लंबे समय तक ताजा कैसे रख सकते हैं, तो वह आपको जवाब देगा कि ठंडी जगह पर रखकर और सेब जैसे दूसरे फलों से दूर रखकर। लेकिन अपने प्रतिद्वंद्वी चैट जीपीटी की जेनरेटिव एआई तकनीक का उपयोग जब गूगल करता है, तो उसके नतीजे ऐसे हैं, जिनमें गूगल संघर्ष करता दिखता है। यह बताता है कि अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्री बिल्लियों से मिले और उनकी देखभाल की। इतना ही नहीं, गूगल यह सुझाव भी देता है कि हर व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए रोज एक छोटी चट्टान खानी चाहिए, क्योंकि ये चट्टानें खनिजों और विटामिन का स्रोत होती हैं। यह पिज्जा पर गोंद डालने का सुझाव भी देता है। जाहिर है कि अगर आप आंख बंद कर गूगल की बात मानने की सोच रहे हैं, तो आप संकट में हैं। जेनरेटिव एआई टूल के साथ बुनियादी समस्या है कि वह सत्य को नहीं जानता। आपके सवालों के जवाब वह इंटरनेट की दुनिया में बिखरी जानकारियों में खंगालता है। आप कहेंगे कि इंटरनेट पर चट्टानें खाने के बारे में लेख तो नहीं मिलते। दरअसल चट्टानें खाने के बारे में एक व्यंग्यात्मक लेख है 'द ओनियन', जिसे करोड़ों बार पढ़ा गया है। गूगल एआई इस लेख के आधार पर चट्टान खाने की सलाह देता है। क्या प्रामाणिक तथ्य है और क्या व्यंग्य, यह गूगल एआई नहीं समझता। दरअसल, जेनरेटिव एआई टूल के मूल्य हमारे मूल्यों से अलग हैं। वह सिर्फ इंटरनेट से प्रशिक्षित है, और अगर यही मनुष्य की खोजों का भविष्य है, तो हमारी भविष्य की यात्रा मुश्किल होना तय है। गूगल, ओपन एआई और माइक्रोसॉफ्ट से प्रतिस्पर्धा जरूर कर रहा है, लेकिन जैसा इसके सीईओ सुंदर पिचाई ने पिछले वर्ष कहा था कि इसे सावधान रहने की जरूरत है। गूगल का प्रबंधन जानता है कि सवालों के सही उत्तर न मिलने पर इससे लोगों का विश्वास उठ जाएगा। लेकिन अरबों डॉलर के व्यवसाय मॉडल में गूगल यह जोखिम उठा रहा है। ये चिंताएं यों ही नहीं हैं। वैश्विक स्तर पर प्रतिदिन 40 से 60 करोड़ डॉलर का निवेश एआई पर किया जा रहा है। इतने बड़े निवेश को देखकर अब सरकारें भी सजग हो रही है कि एआई का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करने के लिए विनियमन की जरूरत हो सकती है। कई एआई स्टार्ट-अप एआई निर्मित कृत्रिम डाटा के लाभों का प्रचार कर रहे हैं, लेकिन वर्तमान एआई मॉडल में पूर्वाग्रह और गलतियां बढ़ने का भी जोखिम है।

रुरु की मृत पत्नी कैसे हुई पुनर्जीवित संस्कृति के पन्नों से जानें पूरी कहानी

विवाह से कुछ ही समय पहले प्रमद्वरा अपनी सखियों के साथ वन में घूम रही थी कि तभी मार्ग में एक सांप बैठा था। प्रमद्वरा ने ध्यान नहीं दिया और उसका पैर सर्प के ऊपर पड़ गया। सर्प ने प्रमद्वरा को डस लिया और वह उसी क्षण मूर्छित होकर गिर?पड़ी।महर्षि भृगु के पौत्र प्रमति ने घृताची नाम की अप्सरा से एक पुत्र उत्पनन किया। उसका नाम रुरु था। इसी तरह गंधर्वराज विश्वावसु और अप्सरा मेनका की भी एक पुत्री हुई। परंतु मेनका, कन्या के जन्म के बाद उसे स्थूलकेश मुनि के आश्रम के पास छोड़कर चली गई। स्थूलकेश कन्या को अपने आश्रम में ले आए और उसका पालन-पोषण करने लगे। बालिका बुद्धि, रूप और उत्तम गुणों से सुशोभित थी। वह संसार की समस्त प्रमदाओं (सुंदर स्त्रियों) में श्रेष्ठ दिखती थी, इसलिए स्थूलकेश ने उसका नाम 'प्रमद्वरा' रख दिया। एक दिन संयोग से, प्रमतिनंदन रुरु ने प्रमद्वरा को महर्षि स्थूलकेश के आश्रम में देखा। उसे देखते ही रुरु मंत्रमुग्ध हो गया, तो प्रमति ने स्थूलकेश से रुरु के लिए प्रमद्वरा का हाथ मांगा। स्थूलकेश विवाह के लिए तैयार हो गए। आगामी उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में विवाह होना निश्चित हो गया। विवाह से कुछ ही समय पहले प्रमद्वरा अपनी सखियों के साथ वन में घूम रही थी कि तभी मार्ग में एक सांप बैठा था। प्रमद्वरा ने ध्यान नहीं दिया और उसका पैर सर्प के ऊपर पड़ गया। सर्प ने प्रमद्वरा को डस लिया और वह उसी क्षण मूर्छित होकर गिर?पड़ी। उसके शरीर का रंग उड़ गया और कुछ ही देर में प्रमद्वरा की मृत्यु हो गई। उसके बंधु-बांधव उसे मृत देखकर विलाप करने लगे। आश्रम में हाहाकार मच गया। उसे जीवित देखकर सब जितने प्रसनन होते थे, उसकी मृत देह उतना ही कष्ट दे रही थी। प्रमद्वरा का मुख शांत और विकार रहित था। ऐसा लगता था, मानो वह उठकर अभी बोलने लगेगी। सर्प-विष के प्रभाव से चेतना-शून्य हो चुकी प्रमद्वरा को स्थूलकेश के अतिरिक्त अन्य तपस्वियों ने देखा, जिनमें महाजानु, कुशिक, शंखमेखल, उद्दालक, कठ, श्वैत, भारद्वाज, कौणकुत्स्य, आर्टिषेण, गौतम आदि भी सम्मिलित थे। वे सब प्रमद्वरा को प्राणशून्य देखकर रोने लगे। रुरु भी प्रमद्वरा के शव पर विलाप कर रहा था। फिर वह सहसा उठा और एक समीपवर्ती वन में जाकर जोर-जोर से रोने लगा। रुरु, करुण स्वर में बोला, हाय! मेरी प्रमद्वरा, मुझे व बांधवों को शोकाकुल करके भूमि पर निष्प्राण पड़ी है। इससे बड़ा दुख और क्या होगा? 'यदि मैंने दान दिया हो, तपस्या की हो अथवा गुरुजनों की भलीभांति?आराधना की हो, तो उसके पुण्य से मेरी प्रमद्वरा जीवित हो जाए! यदि मैंने जन्म से लेकर अब तक मन और इंद्रियों पर संयम रखा हो और ब्रह्मचर्य का दृढ़तापूर्वक पालन किया हो, तो मेरी प्रमद्वरा?अभी जी उठे! यदि पापी असुरों का नाश करने वाले, इंद्रियों?के स्वामी भगवान श्रीकृष्ण में मेरी अविचल भक्ति हो, तो यह कल्याणी प्रमद्वरा तुरंत जी उठे!' इस तरह जब रुरु विलाप कर रहा था, तो एक देवदूत उसके पास आया और बोला, धर्मात्मा रुरु! तुम दुख से व्याकुल हो, परंतु जिस मनुष्य की आयु समाप्त हो जाती है, उसे फिर जीवन नहीं मिल सकता। अतः तुम शोक मत करो। परंतु इस विषय में देवताओं ने एक उपाय निश्चित किया है। यदि उसे करना चाहो, तो तुम प्रमद्वरा को फिर से पा सकते हो। रुरु बोला, हे देवदूत! देवताओं ने कौन-सा उपाय निश्चित किया है? मुझे भी बताइए। मैं वही करूंगा, जिससे मेरी प्रमद्वरा मुझे वापस मिल जाए। देवदूत ने कहा,?रुरु! उस कन्या को पुनर्जीवन देने के लिए तुम्हें अपनी आधी आयु देनी पड़ेगी। यदि तुम ऐसा कर सको, तो प्रमद्वरा जी उठेगी। यह सुनकर रुरु तनिक भी नहीं घबराया। वह बोला, मैं प्रमद्वरा को अपनी आधी आयु देता हूं। रुरु के ऐसा कहते ही गंधर्वराज विश्वावसु और देवदूत, दोनों सत्पुरुषम धर्मराज के पास गए और बोले, 'हे धर्मराज! रुरु की पतनी प्रमद्वरा की सर्पदंश से मृत्यु हो गई थी। रुरु अपनी पतनी को पुनर्जीवित करने के लिए अपनी आधी आयु देने को तैयार हो गया है। अतः रुरु की आधी आयु प्रमद्वरा को देकर उसे जीवित कर दीजिए!' तब धर्मराज ने कहा, 'मैं वचन देता हूं कि रुरु की पतनी प्रमद्वरा रुरु की आधी आयु प्राप्त करके जीवित हो उठेगी।'?उधर धर्मराज ने वचन दिया और इधर प्रमद्वरा पुनर्जीवित होकर ऐसे उठ बैठी, मानो गहरी नींद से जागी हो। इस अद्भुत घटना के बाद प्रमति और स्थूलकेश ने नियत मुहूर्त पर रुरु और प्रमद्वरा का विवाह करा दिया।

संक्षिप्त समाचार

बिना परमिट गिट्टी का परिवहन कर रहा ट्रक पकड़ाया, चालक गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर कोतवाली पुलिस ने बिना परमिट गिट्टी का परिवहन कर रहे ट्रक को पकड़ते हुए चालक को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में ट्रक मालिक, चालक और क्रशर प्लांट के संचालक समेत तीन पर सार्वजनिक संपत्ति की क्षति, राजस्व चोरी, आपराधिक साजिश रचने सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर पुलिस छानबीन में जुटी है।लोढ़ी स्थित खनिज बैरियर के पास खान विभाग की टीम जांच कर रही थी। इस दौरान डाला की ओर से आ रहे गिट्टी लदे ट्रक को लेकर चालक तेजी से भागने लगा। पीछा कर ट्रक को रोका गया तो जांच में कोई परमिट नहीं मिला। ट्रक पर करीब 30.93 घनमीटर अवैध गिट्टी लदा था।

09 जून को दो पालियो सम्पन्न होगी संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। जिलाधिकारी ने नकल विहीन व शुचितापूर्ण परीक्षा सम्पनन कराने के दृष्टिगत केन्द्र व्यवस्थापको को दिया निर्देश परीक्षा केन्द्र के 500 मीटर की परिधि में बन्द रहेंगे फोटोस्टेट व साइबर कैफे की दुकाने केन्द्र व्यवस्थापक के अतिरिक्त प्रतयेक परीक्षार्थी/व्यक्ति को परीक्षा केन्द्र के अन्दर मोबाइल ले जाना रहेगा प्रतिबन्धित मीरजापुर 07 जून, 2024- संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा आगामी 09 जून 2024 को होना प्रस्तावित हैं। जनपद में नकल विहीन शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पनन कराने के लिये जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने सम्बन्धित मजिस्ट्रेटो केन्द्र व्यवस्थापको व प्रधानाचायी के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होने कहा कि परीक्षा केन्द्र के अन्दर केन्द्र व्यवस्थापक के अतिरिक्त किसी भी परीक्षार्थी/व्यक्ति को मोबाइल ले जाना पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। परीक्षा केन्द्र के 500 मीटर की परिधि में कोई भी फोटोस्टेट, कम्प्यूटर की दुकाने व साइबर कैफे की दुकाने बन्द रहेंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा को सकुशल सम्पनन कराना व प्रशन्पत्रो की शुचिता को बनाये रखना प्रत्येक केन्द्र व्यवस्थापक की जिम्मेदारी है

किसी भी स्तर पर गड़बड़ी होन पर सम्बन्धित के विरूद्ध एफ0आई0आर0 दर्ज कर कार्यवाही की जायेगी। विस्तृत जानकारी देते हुये अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल ने केन्द्र व्यवस्थापको को निर्देशित करते हुये कहा कि परीक्षा को सकुशल सम्पनन कराने के लिये बोर्ड द्वारा उपलब्ध करायी गयी हस्तपुस्तिका को भली भाति अध्ययन कर ले। उन्होनें बताया कि आगामी 09 जून 2024 को दो पालियों में जनपद चार परीक्षा केन्द्रो पर सम्पनन करायी जायेगी। प्रथम पाली पूर्वान्ह 09 बजे से 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपरान्ह दो बजे से 05 बजे तक सम्पनन होगी। परीक्षाथिर्यो से अपील करते हुये कहा कि वे अपने परीक्षा केन्द्र पर समय से पहुंचे, परीक्षा केन्द्र के अन्दर परीक्षा प्रारम्भ होने के एक घण्टा पूर्व से प्रवेश दिलाया जायेगा, परन्तु पूर्वान्ह 09 बजे से प्रारम्भ होने वाली परीक्षा 09:30 के बाद एवं दो बजे प्रारम्भ होने वाली परीक्षा में 02:30 बजके के बाद किसी भी परीक्षा केन्द्र अन्दर प्रवेश नही कराया जायेगा। परीक्षा केन्द्र के अन्दर किसी भी परीक्षार्थी द्वारा किसी भी प्रकार इलेक्ट्रानिक सामान नही ले जाया जायेगा। प्रत्येक परीक्षार्थी को अपने प्रवेश पत्र के साथ एक फोटोयुक्त को एक अन्य पहचान पत्र तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य होगा। उन्होने कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रो पर पर्याप्त शुद्ध पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था करायी जाए तथा परीक्षाथिर्यो के साथ आने वाले अभिभावको के लिये भी परीक्षा केन्द्र के बाहर शुद्ध पेयजल, टैंकर अथवा जार रखकर सुनिश्चित किया जाए। अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रो पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस की व्यवस्था रहेगी, महिला परीक्षाथिर्यो की चेकिंग के लिये गेट पर महिला पुलिस के द्वारा तथा पुरूष परीक्षाथिर्यो के लिये पुरूष पुलिस के द्वारा चेकिंग की जायेगी। उन्होने कहा परीक्षा केन्द्र प्रवेश करने वाले परीक्षाथिर्यो को डी0एफ0एम0बी0 से होकर गुजरना होगा। बैठक में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के अलावा नोडल अधिकारी/प्राचार्य के0बी0 कालेज, प्राचार्य बिनननी डिग्री कालेज के अलावा उप जिलाधिकारी सदर आसाराम वर्मा, लालगंज गुलाब चन्द्र के अलावा सभी केन्द्र व्यवस्थापक उपस्थित रहें।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के खिलाफ दर्ज मुकदमे के विरोध में लामबंद हुए भाजपाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर । जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष बालेंदु मणि त्रिपाठी के

खिलाफ दर्ज मुकदमे में भाजपाई लामबंद होकर शुक्रवार सुबह लालगंज थाना पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। कार्यकर्ताओं को जैसे ही मालूम हुआ कि उनके नेता के विरुद्ध फर्जी मुकदमा दर्ज हुआ तो सभी कार्यकर्ता आक्रोषित होकर सड़क पर उतरकर विरोध करने की चेतावनी दे दिये,वरिष्ठ नेताओं के मान मनौव्वल पर कार्यकर्ता कुछ समय के लिए मानने को तैयार हुये।शुक्रवार सुबह लगभग 10:00 बजे भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष लालबहादुर सिंह पटेल के अगुवाई में हजारों भाजपाई लालगंज थाना पर पहुंचकर विरोध जताते हुये निष्पक्ष जाँच करने की मांग करने लगे।इंस्पेक्टर द्वारा आश्वासन मिलने पर कार्यकर्ता मानने को तैयार हुये। पूर्व जिलाध्यक्ष लालबहादुर सिंह पटेल ने कहा कि बालेंदु मणि त्रिपाठी ही नहीं बल्कि किसी भी भाजपा कार्यकर्ता के ऊपर गलत तरीके से फर्जी मुकदमे में फंसाया गया तो हम सभी भाजपा के लोग चुप नहीं बैठेंगे।पूर्व जिलाध्यक्ष गंगासागर दुबे ने कहा कि बालेंदु मणि त्रिपाठी कोई ठेकेदार, माफिया,व्यापारी तो नहीं थे, निश्चित तौर पर षड्यंत्र है,श्री दुबे ने कहा कि लीगल मामले में भी पुलिस इतना जल्दी मुकदमा दर्ज नहीं करती जितना जल्दी बालेंदुमणि त्रिपाठी के ऊपर करके इनके छवि को बदनाम किया जा रहा,चेतावनी दिया कि यह संघर्ष यही से खत्म नहीं होगा जल्द ही मामले का पर्दाफास नहीं हुआ तो एक बड़ा आंदोलन होगा और जिस स्तर पर उतरना पड़ा जहाँ भी जाना हुआ किया जायेगा।इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल सिंह, धनंजय पाण्डेय, पूर्व प्रमुख जय सिंह, महेंद्र गिरी,पड़री प्रमुख इन्द्र बहादुर पाण्डेय,प्रदीप सोनकर, सुजीत पटेल,श्याममुरारी पटेल,सुधीर सिंह,राजेंद्र पटेल, राजेश सिंह समेत हजारों लोग मौजूद रहें।

कंगना रनौत के थप्पड़ कांड से पिघला ऋतिक रोशन का दिल मंडी की नई सांसद के लिए एक्टर का रिएक्शन वायरल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कंगना रनौत के थप्पड़ कांड का मामला शांत होने का नाम

नहीं ले रहा। उनके साथ चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर जो हुआ, उसके बाद सोशल मीडिया पर लोग कई तरह के कमेंट कर रहे हैं। बॉलीवुड सेलिब्रिटीज ने भी कंगना रनौत के थप्पड़ कांड पर रिएक्ट किया है। किसी ने सीआईएसएफ कर्मी के फेवर में बात की है, तो किसी ने कंगना के सपोर्ट में अपनी बात रखी। एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत के थप्पड़ कांड की चर्चा पूरे देश में हैं। फैंस से लेकर सेलेब्स तक ने इस पर रिएक्ट किया है। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर कंगना के साथ हुए हादसे पर शबाना आजमी अनुपम खेर अध्ययन सुमन शेखर सुमन सोना मोहपात्रा सहित कई ने अपनी बात रखी। अब कुछ और सेलेब्स ने इस घटना पर रिएक्ट किया है जिसमें ऋतिक का नाम भी शामिल है। जहां एक्ट्रेस को सपोर्ट करने के लिए बॉलीवुड दो भाग में बंट गया है, वहीं इस मामले पर अब उस व्यक्ति का रिएक्शन आया है, जिनकी चुप्पी पर लोगों की नजरें थीं। अभी तक शबाना आजमी, अनुपम खेर, राम गोपाल वर्मा जैसे सेलेब्स ने इस मामले में एक्ट्रेस को सपोर्ट करते हुए अपनी बात रखी थी। अब इस मामले में ऋतिक रोशनका रिएक्शन सामने आया, जो कि वायरल हो रहा है। ऋतिक के अलावा आलिया भट्ट ने भी कंगना की थप्पड़ कंट्रोवर्सी पर रिएक्ट किया है। फाय डिसूजा ने पोस्ट किया, जिस पर ऋतिक के रिएक्शन पर सबकी नजर गई। उन्होंने लिखा, 'सांसद कंगना रनौत के साथ एयरपोर्ट पर जो घटना घटित हुई और थप्पड़ पड़ा, मैं कहना चाहूंगी कि हिंसा कभी भी इसका जवाब नहीं हो सकती। खासकर हमारे देश में तो बिल्कुल नहीं, जो गांधीजी के अहिंसा के आदर्शों से पैदा हुआ था।' पोस्ट में आगे लिखा गया, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम किसी के विचारों और बयानों से कितना सहमत हैं, हम हिंसा से उसका जवाब नहीं दे सकते। यह विशेष रूप से खतरनाक है, जब सुरक्षाकर्मी वर्दी में रहते हुए ऐसी हिंसक घटना को अंजाम देते हैं। सोचिये कि पिछले दस वर्षों में, जिन्होंने सत्ता पर सवाल उठाए, उन पर एयरपोर्ट पर कमिन्यों द्वारा ऐसे ही हमला किया जाता।' इस पोस्ट पर ऋतिक ने किसी तरह का कमेंट नहीं किया, लेकिन उन्होंने लाइक किया है। उनके लाइक से फैंस ने माना है कि ऋतिक भी कहीं न कहीं इस बात से सहमत हैं कि कंगना के साथ जो हुआ, वो गलत है। ऋतिक के अलावा आलिया भट्ट, अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर ने भी पोस्ट को लाइक किया है। ऋतिक और कंगना का झगड़ा काफी पुराना है। एक्ट्रेस ने ऋतिक पर उनके साथ अफेयर करने का आरोप लगाया था। कंगना का दावा था कि ऋतिक ने उन्हें अपनी मेल से कई सारी ईमेल्स भेजी थीं। उनका अफेयर 'क्रिष' के टाइम से शुरू हुआ था। नेपोटिज्म पर बोलने वाली कंगना ने 'गली ब्वॉय' में आलिया की एक्टिंग पर कमेंट किया था। लेकिन इस पर आलिया ने शालीनता से रिएक्ट करते हुए कंगना की तारीफ की थी। उन्होंने कंगना की ईमानदारी की तारीफ की थी।

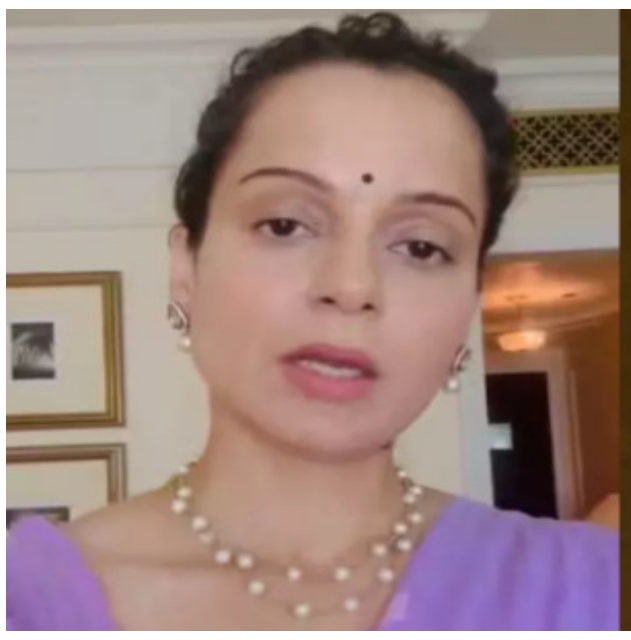

इमरान खान ने बॉडी शेमिंग को लेकर की खुलकर बात

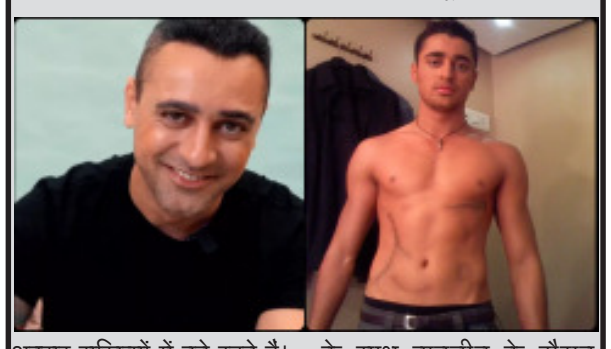

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।जाने तू या जाने ना', 'लक', 'दिल्ली बेली' और 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' में काम कर चुके अभिनेता इमरान खान बेशक फिल्मी दुनिया से दूर हो, लेकिन वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर

अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। कई बार इंटरव्यू में वह अपनी गर्लफ्रेंड लेखा वाशिंगटन के बारे में बात करते हुए नजर आते हैं, तो कई बार फिल्मों से दूरी की वजह बताते हैं। बॉलीवुड के बेहतरीन स्टार्स में से एक हैं लेकिन फिलहाल उन्होंने फिल्मी दुनिया से थोड़ी दूरी बना ली है। एक्टर के फैंस अभी भी उनकी फिल्मों का इंतजार कर रहे हैं। आए दिन अभिनेता बहुत से इंटरव्यू में अपनी पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बात करते रहते हैं। अब इमरान खान ने बॉडी शेमिंग पर खुलकर बात की है। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में बॉडी इमेज के साथ स्ट्रगल और समाज में खूबसूरती के जो आदर्श तय हुए हैं, उन पर खरा उतरने का दबाव के बारे में खुलकर बात की है। साथ ही यह भी बताया है कि पतले होने की वजह से उन्हें शर्मिंदा होना पड़ा था। इमरान खान उन स्टार्स में शामिल हैं, जिन्होंने अपनी पहली फिल्म से ही फैंस के दिलों में एक खास जगह बना ली थी, लेकिन कुछ ही मूवीज करने के बाद उन्होंने इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया। अब ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ बातचीत के दौरान अभिनेता ने बताया कि उन्हें पतला होने की वजह से शर्मिंदा होना पड़ा था। पुरुषों और महिलाओं को उनके लुक के आधार पर जज किया जाता है। दुनिया महिलाओं और पुरुषों को एक अलग तरह से देखती है। इसके बारे में विमेंस आसानी से बात कर लेती हैं। स्टेरॉयड का सहारा लेकर मिली बॉडी इसके साथ ही एक्टर ने यह भी बताया कि कैसे जिम में घंटों बिताकर और स्टेरॉयड का सहारा लेकर उन्होंने एक मस्कुलर बॉडी पाने की कोशिश की। हालांकि, उन्होंने महसूस किया कि यह दबाव उनकी मानसिक और शारीरिक सेहत पर भारी पड़ रहा था। एक्टर ने कहा कि इसके रिजल्ट भले ही बहुत अच्छे हैं, लेकिन चीजें खराब तब होती हैं, जब आप उन्हें लेना बंद कर देते हैं।

नुपुर सेनन बिग बॉस शो में शामिल होने से किया इनकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 3' जल्द ही शुरू होने वाला है। इस बार शो को सलमान खान की जगह अनिल

कपूर होस्ट करते नजर आएंगे। अब धीरे-धीरे शो के कंटेस्टेंट्स के नाम से भी पर्दा हट रहा है। पिछले दिनों हमने आपको खबर दी थी कि इस शो पर कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन को भी इन्वाइट किया गया है। अब इस बात में कितनी सच्चाई है ये भी पता चल गया है। काफी समय से ये खबर आ रही थी कि कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन बहुत जल्द बिग बॉस में नजर आ सकती हैं। हालांकि अब एक्ट्रेस ने इस से साफ इनकार कर दिया है। एक्ट्रेस ने कहा कि वो बिग बॉस में नहीं जाएंगी क्योंकि अगर वो नजर नहीं आईं तो उनके मास्टर जी रोने लग जाएंगे। खुद नुपुर सेनन ने इस पर बात की है। एक्ट्रेस ने कहा कि यह सिर्फ एक अफवाह है और इस बारे में उन्हें भी नहीं पता है। ई टाइम्स से बातचीत में नुपुर ने कहा, मैंने कई आर्टिकल्स पढ़े कि मुझे शो के लिए अप्रोच किया गया है जबकि ऐसा कुछ नहीं है। नुपुर ने कहा कि कई रिपोर्ट्स में तो ये तक कहा गया कि मुझे पिछले सीजन में शो में एंट्री के लिए इन्वाइट आया था लेकिन ये बात बिल्कुल गलत है। मैंने आज से पहले ऐसी अफवाह कभी नहीं सुनी। दरअसल नुपुर ने हाल ही में नोबो नाम से अपना नया क्लोथिंग ब्रांड शुरू किया है। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि क्या वो कभी आने वाले समय में शो पर आना चाहेंगी, तो नुपुर ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मेरे पास इसके लिए समय है। अगर मैं वहां चली गई तो मेरे सारे टेलर और मास्टर जी अगर मुझे काम पर लंबे समय तक नहीं देखेंगे तो रोने लग जाएंगे। दरअसल दोनों बहने के लॉन्च के दौरान मिली थीं। वहीं जब कृति से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा,मुझे लगता है ये अफवाह है क्योंकि हमारी बिग बॉस (नुपुर और कृति की मां) इसके लिए कभी इजाजत नहीं देगी। वहीं नुपुर से पहले अनुषा डांडेकर ने भी बिग बॉस के घर में आने की खबरों का खंडन कर दिया था। अनुषा ने कहा था कि मैं बिग बॉस के घर में नहीं जा रही और वो लोग मुझे फोन भी नहीं करेंगे क्योंकि उन्हें मेरा जवाब पता है।

टीवी की ये पॉपुलर 'बहू' बॉस ओटीटी 3 में लगाएंगी आग फाइनली शो का हिस्सा बनने पर खुद तोड़ी चुप्पी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 3' जल्द ही शुरू होने जा रहा है। 'बिग बॉस ओटीटी

2' की ताबड़तोड़ कामयाबी के बाद दर्शकों की निगाहें तीसरे सीजन पर टिकी हैं। भले ही होस्ट बदल गये हों, लेकिन लोगों के बीच क्रेज बराबर बना हुआ है। शो के कंटेस्टेंट्स की लिस्ट अभी सामने नहीं आई है। मगर कई नाम जरूर चर्चा में हैं, जिनमें से एक नाम टीवी की पॉपुलर बहू का भी हको लेकर चर्चा तेज हो गई है। सलमान खान को रिप्लेस कर अनिल कपूर अब शो के होस्ट की कुर्सी संभालते नजर आएंगे। शो में अभी कंटेस्टेंट की लिस्ट सामने नहीं आई है लेकिन काफी समय से ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस बार शिवांगी जोशी भी नजर आएंगी। अब खुद एक्ट्रेस ने सच्चाई बता दी है। हम बात कर रहे हैं 'ये रिश्ता क्या कहलता है' से पॉपुलर हुईं टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी की। कई टीवी सीरियल्स में अपनी अदाकारी दिखा चुकीं शिवांगी को लेकर काफी समय से चर्चा है कि वह 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 3'का हिस्सा बनने जा रही हैं। टेलीविजन के गलियारों में भले ही शिवांगी के 'बिग बॉस' में जाने की चर्चा हो रही थी, लेकिन न ही मेकर्स ने इस पर मुहर लगाई थी और ना ही खुद एक्ट्रेस ने। हालांकि, अब आखिरकार शिवांगी ने तमाम अटकलों पर फुल स्टॉप लगा दिया है। हाल ही में, अभिनेत्री ने खुद 'बिग बॉस' के हिस्सा बनने पर रिएक्शन दिया है। दरअसल, बीती रात को शिवांगी जोशी एक इवेंट में शामिल हुईं। मीडिया से बातचीत में एक्ट्रेस ने 'बिग बॉस ओटीटी 3' को लेकर सच बताया। जब पैपराजी ने उनसे पूछा कि क्या वह 'बिग बॉस ओटीटी 3' में शामिल हो रही हैं।

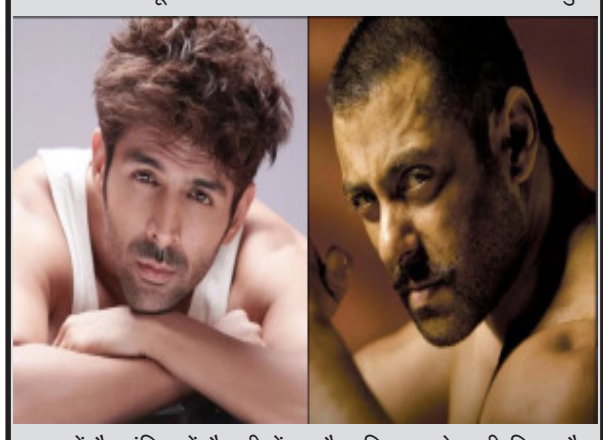

इस वजह से कभी रीमेक फिल्में नहीं करेंगे कार्तिक आर्यन सलमान खान की 'सुल्तान' से तुलना पर बोल दी इतनी बड़ी बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।ज्यादातर रोमांटिक किरदारों में नजर आए कार्तिक आर्यन पहली बार किसी बायोपिक फिल्म का हिस्सा बने है। यह फिल्म 'चंदू चैंपियन' साल

1972 में पैरालंपिक में तैराकी में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रथम भारतीय मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित है। की आगामी फिल्म चंदू चैम्पियन अगले हफ्ते सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस फिल्म के लिए कार्तिक ने खूब मेहनत की है। वजन घटाने से लेकर स्विमिंग और बॉक्सिंग सीखने तक अभिनेता ने दिन-रात एक कर दिया। अब दैनिक जागरण के साथ बातचीत में कार्तिक ने न केवल चंदू चैम्पियन बल्कि भूल भुलैया 3 को लेकर भी बातचीत की है। इसके बाद नवंबर में दीवाली पर उनकी फिल्म 'भूल भुलैया 3' प्रदर्शित होगी। फिल्म, इसकी तैयारियों और आगामी फिल्म को लेकर कार्तिक आर्यन स्मिता श्रीवास्तव की बातचीत के अंश यह मेरे लिए बहुत गौरवान्वित करने वाली फिल्म है। मुझे लगा कि जहां से एक्टिंग करने का सपना देखा था, उसी शहर में इसका पहला ट्रेलर लांच करना चाहिए। फिर सबको यह आइडिया भी पसंद आया। लोगों की प्रतिक्रिया भी काफी अच्छी मिली। मुझे लगता है कि अपनी जड़ों से जुड़े रहना बहुत जरूरी होता है क्योंकि वहीं से मैंने सब कुछ सीखा है। वहां से मिले अनुभव कहीं न कहीं मेरी एक्टिंग में भी काम आते हैं। अगर उन्हें ही भूल जाऊंगा तो मुझे नहीं लगता कि कभी एक्टर भी बन पाऊंगा।

डायरेक्टर की आंखों में देखकर समझ जाता हूं इशारा मैथेड एक्टिंग पर क्या बोले जगपति बाबू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। कई कलाकार अभिनय में इतना खो जाते हैं कि वह उस किरदार की तरह जिंदगी जीने लगते हैं। अगर कोई इंसान काफी समय से कोई किरदार

निभा रहा होता है तो वो उसे जीने लगता है। लेकिन नेगेटिव किरदारों के लिए जाने जाने वाले जगपति बाबू इन सबसे अलग हैं। साउथ इंडस्ट्री के जाने माने अभिनेता और विलेन जगपति बाबू ने मेथेड एक्टिंग को लेकर बात की। जगपति ने बताया कि वो कई बार डायरेक्टर की आंखों में देखकर इशारा समझ लेते हैं कि वो क्या कहना चाह रहा है। जगपति ने कहा कि मैं निर्देशक का एक्टर हूं। मैं सेल्फ एक्टर नहीं हूं। इस दौरान उन्होंने शूटिंग के दौरान हुई इस तरह की कई घटनाओं पर भी बात की। साउथ इंडस्ट्री के जाने माने अभिनेता और विलेन जगपति बाबू ने मेथेड एक्टिंग को लेकर बात की। जगपति ने बताया कि वो कई बार डायरेक्टर की आंखों में देखकर इशारा समझ लेते हैं कि वो क्या कहना चाह रहा है। जगपति ने कहा कि मैं निर्देशक का एक्टर हूं। मैं सेल्फ एक्टर नहीं हूं। इस दौरान उन्होंने शूटिंग के दौरान हुई इस तरह की कई घटनाओं पर भी बात की। दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता जगपति बाबू बताते हैं कि वह मैथेड एक्टिंग के बजाय अपने निर्देशक के अनुसार काम करने में ज्यादा यकीन करते हैं। 'दैनिक जागरण'से बातचीत में उन्होंने कहा,'मैं मैथेड एक्टिंग बिल्कुल नहीं करता। मेरे दिमाग में फिल्म में अपना किरदार और कहानी चलते जरूर रहते हैं, लेकिन उसको मैं हर समय एक्ट नहीं करता हूं। एक बार अगर लुक सेट हो जाता है, निर्देशक और टीम आदि जुड़ जाती है तो फिर उस पर काम शुरू होता है। मैं निर्देशक का एक्टर हूं। मैं सेल्फ एक्टर नहीं हूं। जगपति बाबू ने आगे कहा.'निर्देशक और आर्टिस्ट के बीच जो नजरों से बातचीत होती है,वह मैं अच्छे से समझता हूं। मैं अपने निर्देशक पर भरोसा करता हूं। मैं इसी प्रकार काम कर सकता हूं। जब मैं राम गोपाल वर्मा या मणिरतन्म की फिल्में करता हूं, तब मैं केवल उनकी आंखों में ही देखता हूं, क्योंकि वह भी बहुत ज्यादा चीजों को विस्तार से बताने में यकीन नहीं करते हैं। मैं उनकी आंखें पढ़ लेता हूं कि वह मुझसे किस तरह के अभिनय की उम्मीद कर रहे हैं। उन्हें जो चाहिए, अगर मैं वह कैमरे पर निभा जाता हूं, तो बतौर एक्टर मेरा काम खत्म हो जाता है। एक बार मैंने राम गोपाल वर्मा से पूछा था कि इस शाट में क्या करूं? तो उन्होंने कहा कि कुछ नहीं शांत बैठो,बस गंभीरता से इस ओर देखो। मैंने वैसा ही किया और बस हो गया। कई शाट ऐसे थे, जो मुझे पता भी नहीं था कि वह ले रहे हैं, मैं आराम से बात कर रहा था। उन्होंने कहा कि शाट हो गया। मैंने कहा कब हो गया? कब शाट लिया? उन्होंने कहा कि फिल्म देखना। यह अच्छे फिल्म निर्देशकों की खूबसूरती है। इसलिए मैं हमेशा से अच्छे निर्देशकों के साथ काम करना चाहता हूं।

DURGAWATI
INTERNATIONAL SCHOOL & COLLEGE
Admission Open 2024-2025
प्रवेश प्रारम्भ 2024-2025

www.durgawatischool.com

ICSE Affiliation Code :- UP481

Facilities

High quality labs
Expert Teachers
Modern Facilities
Overall Development

NURSERY TO CLASS 12TH

Free Transport
0 to 3 KM

Contact:-9415017879, 7081152877, 8957282536
Champaran Estate, Gosaura Kala, Dorwa Road,
Meja Prayag raj, Uttar Pradesh, India

बड़े मियां छोटे मियां' के फ्लॉप होने के बाद अक्षय कुमार इन बड़ी फिल्मों से करेंगे धमाका, रिलीज होंगी ये दो मूवीज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के हैंडसम एक्टर अक्षय कुमार पर्सनल लाइफ से

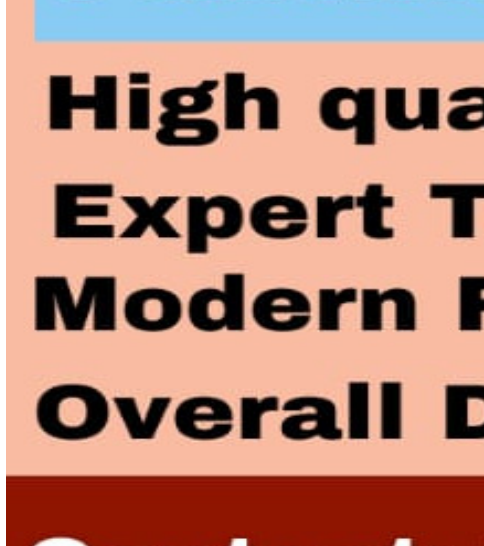

ज्यादा प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुखिर्यों में बने रहते हैं। एक्टिंग में वर्सटालिटी के साथ ही अक्षय अपने डिसिप्लिन रूटीन के लिए भी जाने जाते हैं। हिंदी सिनेमा में उनकी ये क्वॉलिटी उन्हें बाकी एक्टर्स से अलग बनाती है। एक्टर अक्षय कुमार की फिल्मों की रिलीज का उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। चाहे उन मूवीज का बॉक्स ऑफिस गणित कुछ भी हो लेकिन नई फिल्म के एलान के साथ ही उसकी रिलीज का इंतजार भी लोगों में बढ़ जाता है। इस साल बड़े मियां छोटे मियां रिलीज हुई थी जिसके बाद एक्टर की झोली में कुछ और फिल्में भी हैं। बॉलीवुड के खिलाड़ी अभिनेता की पाबंदी को भला सिनेमा जगत में कौन नहीं जानता। यही कारण है कि साल में वह चार-चार फिल्मों की शूटिंग आसानी से कर लेते हैं। फिलहाल आगामी कुछ महीने में तो अक्षय की भागदौड़ दो बड़ी फिल्मों के बीच रहने वाली है। इस साल 'बड़े मियां छोटे मियां' में अक्षय ने एक बार फिर अपने एक्शन का दमखम दिखाया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। इस मूवी के बाद 'अक्की' की झोली में दो बड़ी फिल्में हैं, जिनसे वह फैंस का एंटरटेनमेंट करेंगे। उनकी एक फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' होगी। ये सुभाष कपूर निर्देशित फिल्म 'जॉली एलएलबी' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। वहीं दूसरी मूवी फिरोज नाडियाडवाला की 'वेलकम टू द जंगल।' ये 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार, राजस्थान के बाद हाल ही में सुभाष कपूर ने 'जॉली एलएलबी 3' के मुंबई शेड्यूल की शूटिंग शुरू की है। यह शेड्यूल अक्षय और अरशद वारसी के साथ पूरे जून तक चलेगा। जिसमें इस फिल्म के ज्यादातर हिस्से फिल्माए जाएंगे। अक्षय और अरशद के साथ इस शेड्यूल में अभिनेत्री हुमा कुरैशी भी जुड़ेंगी। हालांकि जून के अंत में इस शेड्यूल के खत्म होने के बाद भी अक्षय के लिए फुर्सत नहीं है। इसके बाद वह वेलकम टू द जंगल के तीसरे शेड्यूल की शूटिंग करेंगे। निर्देशक अहमद खान ने इसके लिए 30 दिनों का शेड्यूल तैयार किया गया है, जिसमें फिल्म के ज्यादातर इनडोर सीन शूट किए जाएंगे। फिल्म के कलाकारों को अभी से ही जुलाई से फिल्म की शूटिंग के लिए तैयार रहने के निर्देश दे दिए गए हैं। इस बीच अक्षय को राधिका मदान के साथ अपनी आगामी फिल्म सरफिरा के प्रमोशन भी करना है। फिलहाल इस फिल्म को 12 जुलाई को प्रदर्शित करने की योजना है।

छन्न से टूटा राजकुमार-जाह्नवी का सपना वीकेंड से पहले कलेक्शन में भारी गिरावट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मिस्टर एंड मिसेज माही को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक हफ्ते का समय पूरा हो चुका है। क्रिकेट लवर्स की कहानी को दर्शाती इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत तो काफी अच्छी हुई थी, जिसके बाद हर किसी को यही उम्मीद थी कि फिल्म बहुत अच्छी कमाई अगर नहीं भी कर पाई, तो ठीक ठाक बिजनेस तो कर ही लेगी।और राजकुमार राव की जोड़ी पहली बार फैंस को फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में देखने को मिली। इस फिल्म की शुरुआत तो बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छी हुई लेकिन अब अचानक ही सात दिन बाद फिल्म का कलेक्शन करोड़ों से लाखों में आ गिरा है। मूवी के कलेक्शन में वीकेंड से पहले भारी गिरावट देखने को मिली। पहला वीकेंड जाह्नवी कपूर

और राजकुमार राव की फिल्म के लिए काफी अच्छा बीता था। हालांकि, सोमवार आते ही फिल्म की कमाई की रफ्तार धीमी हो गयी और बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन गिरने लगा। अब बॉक्स ऑफिस पर वीकेंड से पहले फिल्म औंधे मुंह ऐसी गिरी है कि इसके लिए उठना काफी मुश्किल है। वीकेंड से एक दिन पहले फ्राइडे को अक्सर फिल्मों का कलेक्शन थोडा बढ़ जाता है, लेकिन जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' के साथ कुछ उल्टा ही देखने को मिल रहा है। उनकी फिल्म का शुक्रवार का अर्ली कलेक्शन आ गया है, जो काफी निराशाजनक है। सैकनलिक.कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिस्टर एंड मिसेज माही रिलीज के साथ दिनों बाद ही लाखों में आ लुढ़की है। फिल्म ने रिलीज के आठवें दिन पर महज 75 लाख तक की कमाई की है, जो काफी कम है। हालांकि, फाइनल घरेलू बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों में फेर बदल हो सकता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स
एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज
उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं
आधुनिक समाचार
पब्लिसिंग हाउस सी 41
यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज
211010 (उ.प्र.)
से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।